इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 45 अंक - 263 राजनांदगांव, सोमवार 10 अगस्त 2026 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

16 दिन के छात्र आंदोलन के बाद झुकी झारखंड सरकार: JPSC परीक्षा रद्द करने को तैयार, CBI जांच पर अड़े अभ्यर्थी

रांची। झारखंड में जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत हुई। बैठक के बाद छात्र नेताओं ने कहा कि सरकार ने परीक्षा रद्द करने की उनकी मांग मान ली है, लेकिन जब तक पूरे मामले की सीबीआई जांच की घोषणा नहीं होती, तब तक आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा।

परीक्षा रद्द करने की मांग मानी, लेकिन सीबीआई जांच पर अड़ गए छात्र

छात्र नेताओं ने कहा कि जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में अब सीबीआई जांच भी शामिल है। छात्रों का कहना है कि केवल परीक्षा रद्द करने से मामला खत्म नहीं होगा। वे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच चाहते हैं और इसके लिए सीबीआई जांच की घोषणा की मांग कर रहे हैं।

10 अगस्त को विधानसभा मार्च का एलान

छात्र नेताओं ने साफ किया कि सीबीआई जांच की घोषणा होने तक वे किसी तरह का समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा तक मार्च निकालने का एलान भी किया है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, जब तक उनकी सभी प्रमुख मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

सरकार सीबीआई जांच की करेगी सिफारिश

बैठक के बाद उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार छात्रों के साथ सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने बताया कि JPSC परीक्षाओं में वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए सरकार प्रवर्तन निदेशालय से जांच की सिफारिश करेगी।

अब आंदोलन वापस लेने का फैसला छात्रों पर

मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार ने छात्रों के साथ बातचीत के दौरान उनकी मांगों और मुद्दों को सुना है। उन्होंने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही है और अब आंदोलन वापस लेना है या नहीं, इसका फैसला छात्रों को करना है।

हेमंत सोरेन ने छात्रों को दिया न्याय का भरोसा

इस बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि JPSC परीक्षा में हुई अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को न्याय जरूर मिलेगा, जबकि इन गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार लोगों को कठोरतम सजा दी जाएगी। सोरेन ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे सच और झूठ को मिलाकर युवाओं को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। झारखंड में छात्रों का यह आंदोलन आज अपने 16वें दिन में प्रवेश कर गया है। छात्र JPSC में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलनरत हैं और 19 अप्रैल को हुई परीक्षा को रद्द करने, अनियमितताओं की CBI जांच कराने और व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं। इसी बीच एक CID टीम ने JPSC के तीन मौजूदा सदस्यों को समन जारी किया है और कथित अनियमितताओं को लेकर उनसे पूछताछ करेगी।

आंदोलन को लेकर बोलते हुए सोरेन ने कहा कि युवाओं को न्याय मिलेगा। एक सार्वजनिक रैली में उन्होंने कहा, हमारे युवा अपने अधिकारों का दावा करने के लिए विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमारी सरकार के कदमों (शेष पृष्ठ 6 पर...)

JPSC में बड़ा उलटफेर: परीक्षा विवाद के बीच एक्शन मोड में सरकार, तीनों सदस्यों का इस्तीफा किया मंजूर

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आयोग के तीन सदस्यों अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के पद से दिए गए इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। झारखंड लोक भवन की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, राज्य सरकार की सिफारिश के आधार पर राज्यपाल ने यह फैसला लिया।

सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल ने लगाई मुहर

राजभवन की ओर से बताया गया कि तीनों सदस्यों ने जेपीएससी में अपने पद से इस्तीफा दिया था। राज्य सरकार की सिफारिश के बाद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इन इस्तीफों को स्वीकार कर लिया।

JPSC विवाद के बीच अहम घटनाक्रम

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र आंदोलन कर रहे हैं। छात्र संगठनों की ओर से परीक्षाओं की प्रक्रिया में सुधार और कथित अनियमितताओं की जांच समेत कई मांगें उठाई जा रही हैं। अजिता भट्टाचार्य, अनीमा हांसदा और जमाल अहमद के इस्तीफे स्वीकार होने के बाद जेपीएससी में इन तीनों सदस्यों के पद खाली हो गए हैं। अब इन पदों पर नियुक्ति को लेकर आगे की प्रक्रिया सरकार और राजभवन के स्तर पर तय की जाएगी।

सीएम साय रायपुर में फहराएंगे तिरंगा: स्वतंत्रता दिवस के लिए सभी जिलों में तय हुए चीफ गेस्ट

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 के अवसर पर छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले ध्वजारोहण समारोह के लिए राज्य सरकार ने मुख्य अतिथियों की सूची जारी कर दी है। सीएम विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे, जबकि प्रदेश के अन्य जिलों में केंद्रीय मंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक मुख्य अतिथि के रूप में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होंगे। शासन ने 9 अगस्त 2026 को जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि जिला मुख्यालयों में मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा और मुख्यमंत्री का संदेश वाचन किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को मुख्य अतिथि से परामर्श कर कार्यक्रम निर्धारित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री का संदेश होगा प्रमुख आकर्षण

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जिला मुख्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संदेश का वाचन भी किया जाएगा। शासन ने सभी जिलों के अधिकारियों को समारोह की तैयारियां निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप करने के निर्देश दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि संबंधित जिला प्रशासन मुख्य अतिथि से परामर्श कर कार्यक्रम का निर्धारण करें। स्वतंत्रता दिवस आयोजन के लिए पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। इस आदेश के बाद प्रदेशभर में 15 अगस्त के जिला स्तरीय समारोहों की तैयारियां तेज हो गई हैं।

पदक विजेताओं से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने साझा की रील, बोले- जो खेलेगा वो खिलेगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों और भारतीय दल के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। भारतीय दल के खिलाड़ियों ने भी प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनसे मुलाकात को यादगार बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेता भारतीय खिलाड़ियों के साथ एक रील भी साझा की। इसमें पीएम मोदी ने खिलाड़ियों के साथ संदेश देते हुए कहा, जो खेलेगा, वो खिलेगा। हमेशा भारत के लिए उत्साह बढ़ाएं।

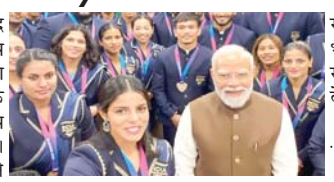

39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा भारत

ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने कुल 39 पदक अपने नाम किए। भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में खेलों की संख्या पहले के मुकाबले काफी कम थी। कई ऐसे खेल प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं थे, जिनमें भारत पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। इसके बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के खाते में 39 पदक जोड़े।

कई खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

ग्लासगो में भारतीय दल के लिए कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी देखने को मिलीं। जूडो में भारत ने पहली बार दो स्वर्ण पदक जीते। वहीं, पैरा एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीता, जबकि तेजस्विन शंकर ने पुरुषों के डेकाथलॉन में कांस्य पदक हासिल कर इतिहास रचा। बॉक्सिंग में भी खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम किए। भारोत्तोलन और पैरा खेलों में भी भारत को महत्वपूर्ण सफलताएं मिलीं।

असम में बाढ़ पीड़ितों की मदद: सीमए साय का ऐलान, 5 करोड़ रुपये की सहायता भेजेगी सरकार

रायपुर। असम में बाढ़ से उत्पन्न गंभीर हालात के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। यह राशि असम में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने असम में बाढ़ की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से फोन पर चर्चा की और राज्य में उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

असम के साथ खड़ा है छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में छत्तीसगढ़ की जनता असम के अपने भाई-बहनों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना इस समय सबसे बड़ी प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से दी जाने वाली 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि का उपयोग असम में राहत और पुनर्वास कार्यों में किया जाएगा। इससे बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सहायता पहुंचाने और प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को गति देने में मदद मिलेगी।

ट्रंप मेरे अच्छे दोस्त: गाजा योजना को इस्राइल ने ठुकराया, नेतन्याहू बोले- जब तक मैं पीएम, नहीं बनेगा फलस्तीन

यरुशलम। इस्राइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा के लिए 15 सूत्री योजना को खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि जब तक हमास पूरी तरह हथियार नहीं डाल देता, तब तक इस्राइली सेना गाजा से पीछे नहीं हटेगी। अपने मंत्रिमंडल को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने शपथ ली कि जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, कोई फलस्तीनी राज्य अस्तित्व में नहीं आएगा। नेतन्याहू ने मंत्रिमंडल की बैठक में कहा, हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके अच्छे दोस्त हैं, फिर भी इस्राइल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है। उन्होंने जुलाई के अंत में हमास की ओर से समर्थन किए गए प्रस्ताव का जिक्र करते हुए यह बात कही।

हमास को लेकर क्या बोले नेतन्याहू?

उन्होंने कहा, इस्राइली सेना तब तक किसी तरह की वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास को वास्तव में निरस्त्र नहीं कर दिया जाता। हमारी सेना और हमारे नागरिकों के खिलाफ खतरों को नाकाम करने का काम जारी रहेगा। नेतन्याहू का यह बयान गाजा युद्ध खत्म करने के ट्रंप के प्रयासों के एक अहम हिस्से को खारिज करता है। इस्राइल का कहना है कि उसकी सेना की वापसी से पहले हमास को अपने हथियार छोड़ने होंगे।

ट्रंप ने किया था गाजा में शांति समझौते का एलान

ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि संघर्ष खत्म करने की उनकी योजना में बड़ी सफलता मिली है, जिसके तहत इस्राइल और हमास दोनों इस ढांचे पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद युद्धविराम लागू हुआ था। ट्रंप ने यह भी कहा था कि 7 अक्टूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमले के बाद शुरू हुए युद्ध से पहले करीब दो दशक तक गाजा पर नियंत्रण रखने वाले हमास ने हथियार डालने पर सहमति जताई थी।

हालांकि, पिछले अक्टूबर में हुए युद्धविराम के बावजूद इस्राइल ने गाजा में हमले जारी रखे हैं। नेतन्याहू के ताजा रुख से ट्रंप की गाजा योजना के अगले चरण में हमास के निरस्त्रीकरण का मुद्दा सबसे अहम हो गया है। इस्राइल ने साफ कर दिया है कि जब तक फलस्तीनी सशस्त्र समूह के पास हथियार हैं, तब तक वह अपनी सेना की वापसी के लिए तैयार नहीं है। नेतन्याहू ने माना कि हालांकि ट्रंप उनके अच्छे दोस्त (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जेन जी को गुमराह किया गया, पद मेरे लिए जरुरी नहीं, धर्मेंद्र प्रधान ने नीट पेपर लीक विवाद पर तोड़ी चुप्पी

भुवनेश्वर। बीजेपी नेता और संबलपुर से सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से अपने इस्तीफे पर पहली बार खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जेन जी को गुमराह करने की कोशिश की गई थी और इस पूरे विवाद के दौरान उनका कोई निजी स्वार्थ नहीं था।

प्रधान ने भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि जेन जी हमारे बच्चे हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मेरा कोई निजी मसला नहीं था। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। पिछले 10 सालों में 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए। उनकी अपनी उम्मीदें हैं और वे भारत को विश्व गुरु बनाएंगे। मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था।

प्रधान ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क कर केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। इसके बाद उन्होंने 25 जुलाई को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। रायराखोल में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम के दौरान प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेडी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन और 'वापस जाओ' के नारों से उन्हें कोई परेशानी नहीं है। एयरपोर्ट के पास बीजेडी के युवा और छात्र विंग के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा, मैं एक किसान का बेटा हूं। अगर आप मुझे वापस जाने के लिए भी कहेंगे तो भी मैं वापस आऊंगा। दरअसल, एयरपोर्ट के पास बीजेडी कार्यकर्ताओं ने धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करते हुए 'वापस जाओ' के नारे लगाए थे। धर्मेंद्र प्रधान ने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ में आफत की बारिश, रायपुर, गरियाबंद समेत 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, 12 तक भारी बारिश की चेतावनी

बादलों ने छेड़ी सावन की तान, शाम को झमाझम

कई जिलों में येलो अलर्ट, तेज हवा की चेतावनी

उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना

रायपुर। लगातार हो रही बारिश के चलते मौसम ने सावन का पूरा रंग दिखाया। सुबह से आसमान में काले घने बादल छाए रहे और हल्की फुहारों का सिलसिला चलता रहा। कहीं रिमझिम तो कहीं आसपास क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई। दोपहर में कुछ राहत रही, लेकिन शाम होते ही मेघ जमकर बरसे।

सुहाने मौसम ने शहरवासियों को खासा खुश कर दिया। दिनभर बदले मौसम के बीच अधिकतम तापमान 29.2 और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में नरमी और बादलों की मौजूदगी ने वातावरण को खुशनुमा बनाए रखा। सप्ताहांत होने के कारण मौसम का असर लोगों की दिनचर्या पर भी नजर आया। परिवार सहित लोग कार लेकर शहर से आसपास के पर्यटन स्थलों की ओर निकल पड़े। मौसम सुहाना होने से पिकनिक स्पाट और प्राकृतिक स्थलों में भी लोगों की आवाजाही बढ़ी। देश के कई राज्य भारी बारिश के चलते बाढ़ की चपेट में है, जिससे जन-जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं दूसरी ओर कई इलाकों में भारी बारिश की वजह से लगातार बाढ़ की स्थिति बनी हुई है, कई नदी नाले उफान पर आ गए है और लगातार भूस्खलन की खबरें सामने आ रही है। अगर बात की जाए छत्तीसगढ़ की तो यहां पिछले 24 घंटे कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई है। वहीं, आज भी रायपुर सहित कई जिलों में आफ्त की बारिश होगी, इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए कड़ी चेतावनी भी जारी की है। राजधानी समेत प्रदेश के कई हिस्सों में देर रात झमाझम बारिश (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ममता के काफिले पर हमला, प्रदर्शनकारियों ने फेंके पत्थर-जूते; पुलिस पर लगाया आरोप

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है। ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की।

खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता- ममता

घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। यह क्या हो रहा है। उन्होंने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि पुलिस भाजपा को सुरक्षा दे रही है। ममता बनर्जी ने इस घटना को लेकर राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी, जिस टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं, उसकी शुक्रवार को पुलिस कस्टडी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसी मामले को लेकर इलाके में पहले से तनाव का माहौल था। पूर्व सीएम का काफिला जैसे ही हलीशहर पहुंचा, वहां मौजूद गुस्साई भीड़ ने वाहनों को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी की गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी का आरोप है कि इसी दौरान पत्थर और ईंटें भी फेंकी गईं।

कल्याण बनर्जी ने राज्य सरकार पर साधा निशाना

ममता बनर्जी के काफिले पर हुए हमले को लेकर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस विभाग का 12 बजा दिया है। दरअसल, ममता बनर्जी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता और पूर्व पार्षद के पति बिरजू केओट के घर पहुंची थीं। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, दीक्षांत समारोह में करेंगे शिरकत

रायपुर। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन अगले महीने छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। बताया जा रहा है कि उपराष्ट्रपति 2 सितंबर को रायपुर में आयोजित एम्स के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहेंगी। एम्स निदेशक डॉ. अशोक जिंदल ने दिल्ली में उपराष्ट्रपति से मुलाकात की जिसमें उन्होंने दीक्षांत समारोह में शामिल होने की सहमति दे दी है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 8-9 अगस्त को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की यात्रा पर है। उपराष्ट्रपति ने कल 8 अगस्त को श्री विजय पुरम में सेलुलर जेल राष्ट्रीय स्मारक में शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित किया, स्वतंत्रता ज्योति पर सम्मान व्यक्त करेंगे और वीर सावरकर की सेल का दौरा किया। इसके बाद, श्री राधाकृष्णन भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा और बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को प्रदर्शित करने वाले लाइट एंड साउंड शो में भी भाग लिया। वहीं, उपराष्ट्रपति आज 9 अगस्त को श्रीविजय पुरम में फ्लैग प्वाइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' में भाग लेंगे।

2 सितंबर को एम्स में होंगे शामिल

पहला कॉलम...

डॉ. आंबेडकर सांस्कृतिक भवन में स्वतंत्रता दिवस पर बौद्ध कल्याण समिति का समारोह होगा

राजनांदगांव (दावा)। बौद्ध कल्याण समिति, राजनांदगांव के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन 15 अगस्त 2026, शनिवार को प्रातः 9 बजे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सांस्कृतिक भवन, सिविल लाइन, राजनांदगांव में किया जाएगा।

समारोह का शुभारंभ प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण के साथ होगा। इसके पश्चात प्रातः 9.05 बजे राष्ट्रगान होगा। प्रातः 9.20 बजे स्वतंत्रता सेनानियों एवं संविधान निर्माताओं को नमन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में प्रातः 10 बजे मिष्ठान वितरण किया जाएगा। बौद्ध कल्याण समिति ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर सामाजिक एकता, समानता, बंधुत्व एवं भारतीय संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की जाएगी। समिति ने समाज के सभी वर्गों से समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। समिति के अध्यक्ष दीपांकर खोबरागड़े ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय गौरव का पर्व ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को दोहराने का अवसर भी है। उन्होंने नागरिकों से समारोह में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराने का आग्रह किया।

'अन्तर्मन की गूंज' पुस्तक का विमोचन

राजनांदगांव (दावा)। जैन बगीचा प्रांगण में चातुर्मासरत परम पूज्य श्री मोक्षप्रभ सागर जी म.सा. के पावन सान्निध्य में 'अन्तर्मन की गूंज पुस्तक का गरिमामय विमोचन समारोह सम्पन्न हुआ। जैन साध्वी, मरुधर ज्योति गुरुवर्या श्री मणिप्रभा श्री जी म.सा. की आत्म-साधना से प्रकट करुणा, आध्यात्मिक चेतना एवं शासन प्रभावना के प्रेरणादायी प्रसंगों को समेटे इस पुस्तक का विमोचन पूर्व महापौर नरेश डाकलिया, डॉ. नरेन्द्र गांधी आदि द्वारा किया गया।

श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष अजय सिंगी ने बताया की इस पुस्तक के माध्यम से धर्मप्रेमी श्रद्धालुगण गुरुवर्या श्री जी की साधनामय जीवन-यात्रा, करुणा एवं प्रेरणादायी प्रसंगों को जानने और आत्मसात करने का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। पुस्तक केवल प्रसंगों का संकलन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, साधना और जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणाओं का सुंदर संग्रह है। समारोह के दौरान पूज्य श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी म.सा. के पावन प्रवचन का भी लाभ उपस्थित श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता, श्रद्धा एवं भक्ति की अनुभूति रही। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के ट्रस्टी अजय सिंगी, जीवनचंद बैद, ललित भंसाली, रोशन गोलछा एवं स्वानुभूति चातुर्मास व्यवस्था समिति के पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। 'अन्तर्मन की गूंज' पुस्तक गुरुवर्या श्री जी की साधना, करुणा एवं शासन प्रभावना के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी प्रयास है।

भिलाई : घर से सुबह से लापता हुए दो मासूम बच्चे, तलाश में जुटी पुलिस व परिजन

भिलाई (दावा)। भिलाई क्षेत्र से दो नाबालिग बच्चों सारा जैनब (लड़की) उम्र- 16 वर्ष, मोहम्मद मोहत्शाम (लड़का) उम्र- 14 वर्ष संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों बच्चे आज सुबह से बिना बताए कहीं चले गए हैं, जिसके बाद से परिजन उनकी लगातार खोजबीन कर रहे हैं। परिजनों ने आम जनता से भी बच्चों को ढूंढने में मदद की अपील की है। यदि किसी भी व्यक्ति को इन दोनों बच्चों के संबंध में कोई भी जानकारी मिले या वे कहीं दिखाई दें, तो कृपया तुरंत परिजनों को सूचित करें अथवा नजदीकी पुलिस स्टेशन में खबर दें। परिजनों का मोबाइल 7987271981, 8641055379 नंबर पर सूचित करें।

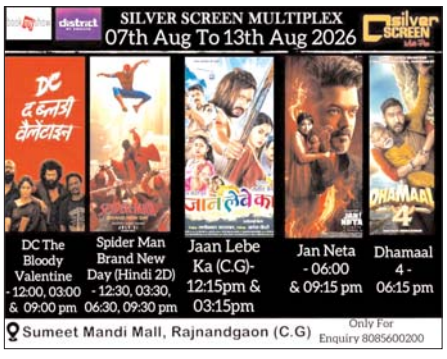

श्री कृष्णा (एयरकूल) में
रोजाना 4 खेल
छत्तीसगढ़ी धमाका
शानदार दूसरा सप्ताह
जान लेबे का
मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

आज सावन माह का दूसरा सोमवार, शिव भक्ति की बहेगी बयार

पूजा सामग्रियों पर महंगाई की मार, नारियल के दाम उंचाई पर, दूध दही मेवा -मिष्ठान भी हुए महंगे

राजनांदगांव (दावा)। आज श्रावण मास का दूसरा सोमवार है। आज शहर सहित पूरे जिले भर में शिव भक्ति की बयार बहेगी। भक्तों के मुख से हर-हर महादेव, ओम नमः शिवाय का महामंत्र चहुंओर गुंजायमान होगा। भगवान भोले शंकर आज दूध -दही शर्करा,व पवित्र गंगा जल से नहाएंगे। बोल बम के कांवरिए नदी सरोवरो से पवित्र जल लाकर भगवान शिव में चढ़ाएंगे। इस दौरान बोल बम नारों की गूंज रहेगी वहीं शिवालयों में बम-बम भोले के उद्घोष व शंख ध्वनि के गुंजार सहित डम-डम डमरू निनाद निश्चित ही शिव भक्तों को आह्लादित करेगा।

सुबह से लोटे में जल और थाली में पूजन सामग्री लेकर महिलाएं, क्वारी कन्याएं शिव पूजन के लिए शिवालयों की ओर रुख करेंगी वहीं पुरुष जन भी व्रत उपवास करते हुए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर उसमें, दूध बेल पत्र, बिल्व फल धतुरा आदि चढ़ाकर त्रिपुरारी को प्रसन्न करेंगे। श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ को अर्पित किए जाने वाले पूजा सामग्रियों की ज्यादा डिमांड रहती है। शहर का बाजार पूजा सामग्रियों को लेकर सजा हुआ है। शहर के जयस्तंभ चौक से लेकर गंज चौक के हाट बाजार, मुख्य मार्केट गोल बाजार, गुड़ाखू लाइन, जूनी हटरी आदि जगहों में पूजा सामग्री की दुकानें सजी हुई है। जहां बेल पत्र, धतुरा, कनेर पुष्प, कनेर फल,बिल्व पुष्प, मौसमी भांजियों की पत्तियां,दूब, जनेऊ, नारियल व अन्य पूजा सामग्रियों बिक रही है जिसमें महंगाई की मार दिख रही है। जयस्तंभ चौक में पूजा सामग्री बेचने वाली महिला ने बताया कि भगवान भोलेनाथ की पूजा के लिए एक-एक पूजा सामग्रियों को खरीदे तो लगभग 80-90 रुपए लग जाएगा वहीं सभी सामग्री एक साथ 50 रुपए दिया जा रहा है। इधर दूध वाले भी अपना दाम बढ़ा दिए हैं। दूध 60 रुपए लीटर हो गया है। दही भी 100 के आसपास जा रहा है। नारियल 40 रुपए नग तो नारियल भेला 80 से 90 रुपए तक में बेंचा जा रहा है। मिठाइयां तो 400-500 रुपए किलो से कम नहीं है। सावन मास को देखते हुए केला, सेव संतरे फलादि महंगे हो गए हैं। इस तरह देखा जाए तो भगवान का पूजा करना काफी महंगा हो गया है। फिर भी भगवान भोलेनाथ के भक्त अपने इष्ट देव में श्रद्धा रखते हुए तथा महंगाई को न डरते हुए अपनी शक्ति अनुसार पूजा सामग्रियां खरीद कर शिव शंकर को अर्पित कर रहे हैं। ओम नमः शिवाय का मंत्र जाप व हर-हर महादेव का उच्चार माहौल को श्रद्धा भक्तिमय बने रहा है।

मंदिरों में सुबह से बहेगी शिव भक्ति की बयार

आज श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भी भगवान शंकर पूरी श्रद्धा भक्ति से पूजे जाएंगे। शहर के द्वादश ज्योतिर्लिंग वाले पाताल भैरवी मंदिर, बर्फानी धाम, रेवाडीह स्थित ज़मीन फोड़ उपजे शिव लिंग, जी ई रोड स्थित श्री बागेश्वर धाम, श्री राम दरबार मंदिर, शिवनाथ नदी तट स्थित प्राचीन शिव मंदिर, एनीकेट समीप के श्री शिव साईं मंदिर सहित अन्यान्य शिव मंदिरों में सुबह से भक्तों का तांता रहेगा, पूजा आराधना की धूम रहेगी व जिससे वातावरण में हर-हर महादेव की गूंज सुनाई देगी। शहर के नजदीक सिंघोला ग्राम के निकट स्थित महाकाल मंदिर में ब्रह्म मुहूर्त से पूजा अर्चना का माहौल बना रहेगा। भगवान महाकाल की भस्म आरती व दुग्धाभिषेक, मस्तकाभिषेक की जाएगी। शिवालयों में भक्तजन सुबह से देर शाम रात तक शिव दर्शन व पूजन अर्चन में रमे रहेंगे। शहर में आज दोपहर को महाकाल सेना द्वारा भगवान श्री चंद्र मौलेश्वर की धूमधाम से पालकी यात्रा निकाली जाएगी जिसमें भक्तों का सैलाब रहेगा। जय-जय महाकाल की गूंज से वातावरण गुंजायमान बना रहेगा।

जय भवानी व्यायाम शाला में ज्ञानेश्वरी का भव्य सम्मान, 51,000 की पुरस्कार राशि से नवाजा गया

राजनांदगांव(दावा)। शहर की प्रतिभाशाली वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव को उनकी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर जय भवानी व्यायाम शाला द्वारा भव्य सम्मान दिया गया। व्यायामशाला के अध्यक्ष अमित अजमानी एवं श्रीमती रुचिका अजमानी ने उन्हें 51,000 की सम्मान राशि प्रदान की। इस अवसर पर जिम के सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और फूलों की वर्षा कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। साथ ही जिम के सभी जूनियर एवं सीनियर वेटलिफ्टर्स भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अपनी प्रेरणा ज्ञानेश्वरी यादव का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। गौरतलब है कि ग्यानेश्वरी यादव पिछले 10 वर्षों से इसी जिम में नियमित अभ्यास कर रही हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का ही परिणाम है कि उन्होंने ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में आयोजित कॉमनवेल्थ प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर देश और जिले का नाम रोशन किया। सम्मान समारोह के दौरान ज्ञानेश्वरी यादव ने युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अभ्यास, अनुशासित जीवनशैली और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण ही आपको विश्व स्तर तक पहुंचाता है।' उन्होंने आगे कहा कि जय भवानी व्यायामशाला उनके लिए मंदिर के समान है। ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने जीवन में योगदान देने वाले सभी लोगों का भावुक होकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्री पुरुषोत्तम अजमानी उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रहे हैं, जिन्होंने उन्हें हमेशा पिता की तरह स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन दिया। उनकी दुआओं और प्रेरणा से ही आज उनका यह सपना साकार हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि दीपक यादव ने उनके जीवन और खेल करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उनकी डाइट, ट्रेनिंग और प्रतियोगिता की तैयारी में लगातार मेहनत की और हर कदम पर उनका साथ दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि अमित अजमानी ने हमेशा एक मार्गदर्शक और अभिभावक की तरह उनका साथ दिया, उन्हें हर समय प्रेरित किया और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। ज्ञानेश्वरी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता जी को भी दिया और कहा कि उनका आशीर्वाद हमेशा उनके साथ रहा है।

उन्होंने बताया कि वे हर प्रतियोगिता में अपने साथ भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा/तस्वीर लेकर जाती हैं, जो उन्हें उनकी माँ का दिया हुआ सबसे बड़ा आशीर्वाद है और यही उनकी शक्ति और आत्मविश्वास का स्रोत है। इस सम्मान समारोह में कई गणमान्य व वरिष्ठ सदस्य के अलावा अजय श्रीवास (उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन) ने ज्ञानेश्वरी को आशीर्वाद दिया। इसके अलावा शशांक तिवारी जी (उपाध्यक्ष, जय भवानी व्यायामशाला), नीरज शुक्ला (वरिष्ठ सदस्य), दीपक ठाकुर, दीपक यादव, अशोक श्रीवास, अजय लोहार, अजय, कुलदीप, रामअवतार, मनोज यादव, नितिन शर्मा, नाहिद खान, तामेश्वर बंजारे, विवेक रंजन सोनी, शेख वसीम, बसंत, मग्गी बाला, उस्ताद, दोमन महोबिया, मजहर खान एवं रेहान खान सहित अनेक सदस्यों ने उपस्थित रहकर ज्ञानेश्वरी यादव का भव्य स्वागत किया और उनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्रुति, श्रीमती रुचिका अजमानी सहित सभी जिम सदस्यों ने ज्ञानेश्वरी की सराहना करते हुए कहा कि वे अत्यंत मेहनती और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने जीवन की कठिनाइयों को पार कर अंतराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी खिलाड़ियों और छात्र-छात्राओं में उत्साह का माहौल रहा। सभी ने ग्यानेश्वरी यादव के साथ मिलकर उनकी सफलता का जश्न मनाया और इसे पूरे राजनांदगांव के लिए गर्व का क्षण बताया। 'कड़ी मेहनत, सच्ची लगन और सही मार्गदर्शन से हर सपना साकार होता है'' - ज्ञानेश्वरी यादव की यह सफलता आज युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन गई है।

क्रांति दिवस पर कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को किया नमन

स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष और बलिदानों को किया याद

राजनांदगांव (दावा)। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर क्रांति दिवस के अवसर पर जिला शहर कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव की ओर से रविवार को सतनाम भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानी वीरों के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष और उसके महत्व पर विचार-गोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुआ भारत छोड़ो आंदोलन देश की आजादी के संघर्ष में निर्णायक पड़ाव था। उन्होंने कहा कि क्रांति दिवस केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों और उनके संकल्प को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने का दिन भी है। लोकतंत्र, संविधान और देश की एकता को मजबूत बनाए रखना ही स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ पूरे देश को एकजुट करने का काम किया। स्वतंत्रता सेनानियों ने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। महिलाओं, युवाओं, किसानों और समाज के विभिन्न वर्गों ने आंदोलन में भाग लेकर यह साबित किया कि स्वतंत्रता का संघर्ष पूरे देश का संघर्ष था। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व महापौर सुदेश देशमुख, पदम कोठारी, रूपेश दुबे, कमलजीत सिंह पिंटू, राकेश जोशी, इकरामुद्दीन सोलंकी, मामराज अग्रवाल, सूर्यकांत जैन, प्रेम रूचंदानी, अशोक पंजवानी, मनीष गौतम, अशोक फडणवीस, झम्मन देवांगन, वीरेन्द्र चंद्राकर, लक्ष्मण साहू, चेतन भानुशाली, अमर झा, राजेश गुप्ता चंपू, गोपीचंद गायकवाड़, अमित खंडेलवाल, नरेश साहू, गजेन्द्र सिंह राजपूत, प्रकाश बाफना, सुरेंद्र देवांगन, शैलेश ठावरे, असगर बेग, गोलू नायक, विशु आजमानी, तामेश्वर बंजारे सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

लोकतंत्र की अच्छी परंपरा को भूल गई भाजपा

44 करोड़ के उद्घाटन कार्यक्रम में विपक्ष को नकाराना निंदनीय - संतोष पिल्ले

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम राजनांदगांव में करीब 44 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में विपक्षी कांग्रेस के नेताओं को आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने भाजपा और महापौर मधुसूदन यादव पर लोकतांत्रिक परंपराओं की अनदेखी और सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए इसे निंदनीय बताया है। श्री पिल्ले ने कहा कि नगर निगम का सार्वजनिक कार्यक्रम किसी एक राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं होता बल्कि पूरे शहर और नगर निगम का कार्यक्रम होता है। ऐसे कार्यक्रमों में विपक्ष को भी सम्मान और प्रोटोकॉल के अनुसार स्थान मिलना चाहिए। श्री पिल्ले ने कहा कि नगर निगम के इतिहास में लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा को बिगाड़ने का काम वर्तमान सत्ता पक्ष द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है जब नगर विकास या सार्वजनिक कार्यक्रम में विपक्ष कांग्रेस के नेताओं की उपेक्षा की गई हो। इससे पहले भी दिग्विजय कॉलेज से जुड़े कार्यक्रम में विपक्ष के कांग्रेस नेताओं का तिरस्कार किया जा चुका है। श्री पिल्ले ने कहा कि 9 अगस्त 2026 रविवार को राजनांदगांव नगरीय निकाय क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी कुल लागत लगभग 4361.26 लाख रुपये यानी करीब 43.61 करोड़ रुपये है। इतना बड़ा विकास कार्यक्रम नगर निगम का आयोजन है लेकिन कार्यक्रम के आमंत्रण और प्रचार सामग्री को देखकर ऐसा लगता है जैसे यह नगर निगम का नहीं बल्कि भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम हो। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर जारी विज्ञापनों में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेताओं के फोटो शामिल नहीं किए गए हैं। वहीं आमंत्रण पत्र में भी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष द्वारा निगम प्रशासन के माध्यम से विपक्ष की उपेक्षा की जा रही है जो लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। श्री पिल्ले ने महापौर मधुसूदन यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता का उपयोग विपक्ष को दबाने या नजरअंदाज करने के लिए नहीं बल्कि शहर के विकास के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का सम्मान राजनीतिक दल देखकर नहीं किया जाना चाहिए। सत्ता में कोई भी दल स्थायी नहीं रहता और सत्ता आती-जाती रहती है लेकिन लोकतंत्र की परंपराएं और संस्थाओं की गरिमा बनी रहनी चाहिए।

श्री पिल्ले ने कहा कि नगर निगम के कार्यक्रमों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रोटोकॉल के अनुसार आमंत्रित करना निगम प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि विकास कार्यों का भूमिपूजन नगर निगम के माध्यम से हो रहा है तो उसमें पक्ष और विपक्ष दोनों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। विपक्ष की अनदेखी कर केवल सत्ता पक्ष के नेताओं को प्रमुखता देना नगर निगम की गरिमा को प्रभावित करता है। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि सत्ता के मद में भाजपा शायद यह भूल गई है कि राजनीतिक परिस्थितियां हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को अपने जनाधार की स्थिति पर भी विचार करना चाहिए। व्यक्तिगत सम्मान अपनी जगह है, लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान उससे भी महत्वपूर्ण है।

श्री पिल्ले ने कहा कि नगर निगम में इस तरह की नई परंपरा शुरू करना भविष्य के लिए भी उचित नहीं है। आज सत्ता में भाजपा है कल कोई दूसरा दल सत्ता में हो सकता है। यदि विपक्ष को सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रखने की परंपरा शुरू होती है तो इसका नुकसान लोकतांत्रिक व्यवस्था को होगा। उन्होंने मांग की कि नगर निगम के सभी सार्वजनिक एवं विकास कार्यों से जुड़े कार्यक्रमों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आमंत्रित किया जाए और राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर नगर निगम की गरिमा एवं लोकतांत्रिक परंपराओं को कायम रखा जाए।

रीड यूथ सोसायटी ने सुंदरा में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित,

राजनांदगांव (दावा) ग्राम सुंदरा स्थित शासकीय विद्यालय परिसर में रीड यूथ सोसायटी के तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों एवं विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक पौधारोपण कर हरित वातावरण को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य ए.एन. लिमजे सहित शाला परिवार के शिक्षक, संस्था के सदस्य एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। पेड़-पौधे हमें स्वच्छ वायु प्रदान करने के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण और उनके संरक्षण की आवश्यकता है।

गोंडवाना समाज की रैली का आदर्श बौद्ध महासभा ने किया स्वागत

डोंगरगढ़ (दावा)। विश्व मूलनिवासी दिवस के अवसर पर गोंडवाना समाज द्वारा डोंगरगढ़ में निकाली गई विशाल रैली का आदर्श बौद्ध महासभा, नागसेन बुद्ध विहार ट्रस्ट समिति डोंगरगढ़ द्वारा सेवा एवं सहयोग के साथ स्वागत किया गया। रैली में शामिल समाज के लोगों के लिए महासभा के कार्यकर्ताओं द्वारा ठंडा पानी एवं फ्रूटी का वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित रैली में बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुष, युवा एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर आदर्श बौद्ध महासभा के कार्यकर्ताओं ने कहा कि समाज के विभिन्न समुदायों के बीच आपसी भाईचारा, सहयोग और सद्भावना को मजबूत करना ही सामाजिक एकता की पहचान है। विश्व मूलनिवासी दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर गोंडवाना समाज द्वारा निकाली गई रैली का स्वागत करना और रैली में शामिल लोगों की सेवा करना सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे का एक छोटा-सा प्रयास है। सेवा कार्य के दौरान अमिताभ दुफारे, दीपक उके, पुरुषोत्तम रामटेके, मनीष बडोले, रोहित वालदे, हीरालाल मोर्य, दीपक कुम्बलवार, सविता मेश्राम, अनुपमा लाडगे सहित आदर्श बौद्ध महासभा एवं नागसेन बुद्ध विहार के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आदर्श बौद्ध महासभा द्वारा किए गए इस सेवा कार्य की रैली में शामिल लोगों एवं उपस्थित सामाजिकजनों ने सराहना की तथा महासभा के कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यायालय नजूल जाँच अधिकारी, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

राजस्व मामला क्रमांक 20260809370006
अ-6 वर्ष 2025-26

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका लक्ष्मी जैन, ध.प. स्व. डॉ. श्यामसुन्दर जैन, निवासी-वार्ड नं. 39, हीरामोती लाईन, चौखड़िया पारा, राजनांदगांव, तहसील व जिला-राजनांदगांव के द्वारा शहर राजनांदगांव मोहल्ला चौखड़िया पारा स्थित शीट क्रमांक 49 बी, भूखण्ड क्रमांक 203, क्षेत्रफल 398.00 वर्गमीटर जो धारकगण दिनेश कुमार आ. स्व. तेजकरण कांकरिया, सुनील कुमार आ. मोहनलाल जैन, ललित आ. जुगराज भंसाली, रानी ध.प. ललित भंसाली, सुनील कुमार आ. मोहनलाल जैन, निवासी-राजनांदगांव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है, पर माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा पारित निर्णय के आधार पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त भूमि/मकान संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी तारीख 21.08.2026 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं होगी। यह उद्घोषणा आज दिनांक 06.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकरी, नजूल जांच, राजनांदगांव

25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने आज दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन राजनांदगांव के तत्वावधान में आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026-27 का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 9 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश स्तर से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, कराटे और कुश्ती सहित विभिन्न खेलों में यहां के खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को खेल नगरी के रूप में और अधिक विकसित करने के लिए खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। खिलाड़ियों की आवश्यकता के अनुरूप मैदान, कोर्ट, प्रशिक्षण सुविधाएं और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर राशि का प्रावधान किया गया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, कोचिंग और प्रशिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढऩे के लिए बेहतर अवसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव के बच्चे भी खेलों के प्रति उत्साह के साथ मैदानों में पहुंच रहे हैं। सुबह बड़ी संख्या में बच्चे हॉकी, फुटबॉल और क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों का अभ्यास करते दिखाई देते हैं। यह राजनांदगांव की खेल संस्कृति और यहां की प्रतिभाओं की मजबूत नींव को दर्शाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजनांदगांव से आने वाले खिलाड़ी प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने सभी खिलाड़ियों और आयोजकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि राजनांदगांव संस्कारधानी के साथ-साथ अब खेलों की राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। ज्ञानेश्वरी यादव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर राजनांदगांव का नाम रोशन किया है और जिले में ऐसी अनेक खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश जो खेलेगा, वही खिलेगा को आत्मसात करते हुए खिलाड़ी पूरी लगन और मेहनत के साथ खेलें, आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद खेल और खिलाड़ियों की तरक्की एवं बेहतरी के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों की लंबित घोषणा को पूरा करते हुए इस वर्ष 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया गया है, जो सरकार की खेलों और खिलाड़ियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विकास के साथ विभिन्न खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार बड़े आयोजन किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है, जिसका उपयोग खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की सुविधाओं के विकास के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा अधोसंरचना के संबंध में प्रस्ताव दिए जाने पर आवश्यकतानुसार बजट का प्रावधान करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रतियोगिता सफल होगी और यहां से प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकलकर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

सांसद संतोष पाण्डेय ने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में वॉलीबॉल, फुटबॉल, हॉकी और बैडमिंटन सहित विभिन्न खेलों में प्रतिभाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के बल पर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, जो जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने उपस्थित खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे मेहनत और लगन के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ें। सांसद श्री पाण्डेय ने दिग्विजय स्टेडियम परिसर में उपलब्ध भवन एवं अन्य संसाधनों का खिलाड़ियों के हित में बेहतर उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन सहित अन्य खेलों के प्रशिक्षण एवं अभ्यास के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकसित की जानी चाहिए, ताकि राजनांदगांव के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष छत्तीसगढ़ बैडमिंटन संघ विक्रम सिंह सिसोदिया ने दिया। इस अवसर पर राजगामी संपदा न्यास के अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू, कोमल सिंह राजपूत, रमेश पटेल, राजेश श्यामकर योगेश बागड़ी सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारी, कोच, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

सिंह परिवार द्वारा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ज्ञानेश्वरी यादव का भव्य स्वागत

21 हजार रु. नकद और स्मृति चिन्ह भेंट

राजनांदगांव (दावा)। अपनी उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों से क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलक (वेटलिफ्टर) ज्ञानेश्वरी यादव का शनिवार को उनके अल्मा मेटर (पूर्व शिक्षण संस्थान) रॉयल किड्स कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल एवं सिंह परिवार द्वारा भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर स्कूल परिवार व सिंह परिवार ने उन्हें भविष्य में और अधिक प्रगति के लिए शुभकामनाएं दीं।

वार्षिक श्राद्ध के अवसर पर पहुंचीं निवास, मिला स्नेह और सम्मान रॉयल किड्स कॉन्वेंट में स्वागत के उपरांत ज्ञानेश्वरी यादव सिंह परिवार के निवास पहुंचीं। यह भेंट मां जी स्व. श्रीमती अन्नपूर्णा देवी सिंह के वार्षिक श्राद्ध के अवसर पर हुई। इस दौरान रॉयल किड्स कॉन्वेंट की अध्यक्ष डॉ. सविता जेबी सिंह ने ज्ञानेश्वरी यादव को स्नेह प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह तथा रु. 21,000 की नकद राशि का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

सिंह परिवार और आरकेसी परिवार ने दी बधाई

ज्ञानेश्वरी यादव की इस उपलब्धि और सम्मान समारोह के अवसर पर निदेशक संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, मनीषा सिंह, डॉ. प्रीति सिंह, आरती सिंह, जागृति सिंह, भारती सोमवंशी, पूजा सिंह, जान्हवी सिंह, इला सिंह, शिविका सिंह तथा प्रसिद्ध फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. स्वर्णा सिंह सहित सिंह परिवार के सभी सदस्य एवं रॉयल किड्स कॉन्वेंट (आरकेसी) के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। विदेश से स्वयंवर सिंह ने भी फोन/ संदेश के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सिंह परिवार के सदस्यों ने ज्ञानेश्वरी की कड़ी मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की बेटियों के लिए एक बेहतरीन प्रेरणास्रोत हैं। वहीं ज्ञानेश्वरी यादव ने इस आत्मीय सम्मान और प्रोत्साहन के लिए पूरे सिंह परिवार का दिल से आभार व्यक्त किया।

दो शराब कोचिए एवं एक सटोरिए के पुलिस के हत्थे चढ़े

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में दो शराब कोचिए और एक सटोरिए को धर दबोचा है। शराब कोचियों के कब्जे से पुलिस ने जहां कुल 60 पौवा देशी शराब एवं बिक्री रकम बरामद की है वहीं सटोरिए से एक नग डॉट पेन एवं सट्टा-पट्टी सहित 1520 रुपए नगदी रकम बरामद की है। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम एवं छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई।

बसंतपुर थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन ने बताया कि कल शनिवार को थाना बसंतपुर पुलिस को मुखबिर से अवैध शराब बिक्री एवं सट्टा-पट्टी लिखे जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान आरोपी जीतू श्रीरंगे पिता मुकेश श्री रंगे उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड नं. 40 बसंतपुर को सट्टा-पट्टी लिखते हुए पकड़ा गया। उसके कब्जे से नगदी रकम 1,500 रु., सट्टा-पट्टी एवं 01 नग डॉट पेन बरामद किया गया। इसी प्रकार आरोपी अमन पिता श्यामलाल सोनवानी उम्र 29 वर्ष निवासी प्रभात नगर को अवैध शराब बिक्री करते हुए पकड़ा गया। उसके कब्जे से 20 पौवा देशी शोले मदिरा शराब कीमत 1,600 रु. तथा बिक्री रकम 200 रु. बरामद की गई। वहीं आरोपी दिनेश यादव के कब्जे से 40 पौवा देशी शोले मसाला शराब, कीमत 4,000 रु. बरामद की गई।

इस प्रकार दोनों शराब कोचियों के कब्जे से कुल 60 पौवा देशी शराब कीमत रु. 5,600 एवं बिक्री रकम रु. 200 तथा सटोरिया के कब्जे से नगदी रु. 1,500, सट्टा-पट्टी एवं डॉट पेन बरामद किया गया। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम एवं छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। प्रकरण में आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पहला कॉलम...

अशांति फैलाने वाले 3 बदमाश के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

राजनांदगांव (दावा)। चौकी चिखली पुलिस ने अपने चौकी में अशांति फैलाने वाले 3 आरोपियों को धर दबोचा है और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है। चौकी प्रभारी कैलाश चंद्र मरई ने बताया कि आज रविवार को बदमाश लक्ष्मण पारधी पिता संतु पारधी उम्र 35 साल निवासी बोईरडीह व. विजय यादव पिता स्व. शंकर यादव उम्र 24 साल निवासी गौरीनगर एवं सागर साहू पिता महावीर साहू उम्र 25 साल निवासी चिखली के द्वारा आने जाने वाले लोगों से वाद विवाद कर शांति भंग कर रहा था। पुलिस द्वारा इस पर किसी अप्रिय घटना घटित होने के संभावना पर तीनों बदमाशों के विरूद्ध पृथक-पृथक धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया गया।

दशगात्र कार्यक्रम में घर से अज्ञात चोरों ने की 50 हजार की चोरी

राजनांदगांव (दावा)। शहर के रेवाडीह वार्ड में एक परिवार में दशगात्र कार्यक्रम के दौरान घर में 50 हजार रुपए की चोरी हो गई। घर के लोगों मेहमानो के साथ दशगात्र कार्यक्रम में जुटे थे इसी बीच अज्ञात चोरों ने घर से 50 हजार का माल पार कर दिया। पीड़िता राधिका सिन्हा ने थाने में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को की गई शिकायत के अनुसार 6 अगस्त को राधिका सिन्हा के घर दशगात्र कार्यक्रम था। कार्यक्रम में रिश्तेदार व अन्य मेहमान पहुंचे हुए थे। रात में सभी लोग खाना खाने के बाद सो गए। इसी दौरान 7 अगस्त की रात करीब साढ़े 12 बजे के बीच अज्ञात चोर घर में में घुसकर आलमारी में रखे जेवरात व अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिए। चोरु हुए सामानों में मंगलसूत्र का एक पेंडल, सोने के छह गेंहू दाने, पुरानी टूटी चांदी की पायल व 10 हजार रूपए नगद तथा विवो कंपनी का पुराना मोबाइल शामिल हैं।

तुमड़ीबोड़ भाजयुमो ने तिरंगा भेंटकर शहीद परिवार का किया सम्मान

डोंगरगांव(दावा)। भाजपा के हर घर तिरंगा अभियान के तहत तुमड़ीबोड़ भाजयुमो मंडल के सदस्यों ने 9 अगस्त को क्षेत्र के शहीद परिवारों से मिलकर उनका हालचाल जाना और स्वतंत्रता दिवस के पूर्व उन्हें सम्मान तिरंगा भेंट किया. इस संबंध में भाजपा मंडल अध्यक्ष जागेश्वर यादव व भाजयुमो अध्यक्ष तिमेश साहू ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष चिंटू सोनकर के नेतृत्व में हर-हर तिरंगा घर-घर तिरंगा अभियान अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा तुमड़ीबोड़ मंडल द्वारा नक्सल हमले में शहीद वीर जवानों के त्याग समर्पण को स्मरण, नमन करने उनका सम्मान करते हुए शहीद परिवार परिजनों से आत्मीय भेंट कर श्रीफल एवं तिरंगा ध्वज भेंट किया गया. मारगांव में शहीद रामकुमार पटेल, आलीखूंटा में शहीद जगत कंवर, खपरीकला में शहीद धनेश्वर यादव के परिवारजनों के सम्मान कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला भाजयुमो कोषाध्यक्ष यश पारख, मंडल भाजपा अध्यक्ष जागेश्वर यादव, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष तिमेश साहू, महामंत्रीद्वय सुदीप चंद्रवंशी, शत्रुहन वर्मा, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिन्हा, लिकेश गंधर्व, मंडल मंत्री चेतन पाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष जितेंद्र सिन्हा, मंडल उपाध्यक्ष रामनाथ वर्मा, पूर्व जनपद सदस्य लखन सूर्यवंशी, बूथ अध्यक्ष हेनूराम साहू, पंचराम सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे.

छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिभा खोज परीक्षा संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। कुर्मी क्षत्रिय समाज के युवाओं/छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति तैयार करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 09 अगस्त (रविवार) को बी.एम.वाई. सर्वेश्वरदास नगर पालिका निगम शा.उ.मा. विद्यालय में 'प्रतिभा खोज परीक्षा' का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में युवाओं में भारी उत्साह देखने को मिला और बढ़-चढ़कर 48 युवाओं ने इसमें भाग लिया। परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा उपरांत परीक्षार्थी युवाओं से परीक्षा के संबंध में फीडबैक लिया गया, जिसे सभी परीक्षार्थियों ने एक स्वर में सराहा।

इस अवसर पर पूर्व महापौर श्रीमती हेमा देशमुख ने परीक्षार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सभी लगन, ईमानदारी से मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के त्याग, प्रेम, प्रेरणा, पराक्रम और दानशीलता को याद करते हुए कहा कि युवाओं में समाज व राष्ट्र को बदलने की ताकत होती है, इसलिए सकारात्मक सोचें और परिवार, समाज व राष्ट्र का नाम रोशन करें। कैरियर कोचिंग बसंतपुर राजनांदगांव के संचालक बी.एम. चंद्राकर ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कैसे करें, अच्छा कैरियर कैसे बनाएं और सफलता कैसे पाएं, इस पर युवाओं का मार्गदर्शन किया।

जिला राजनांदगांव कुर्मी क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर सुदेश देशमुख ने सफल आयोजन के लिए प्रदेश युवा टीम को बधाई देते हुए परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 'युवाओं में उलट दिया जाए भाग तो वायु होता है, जिसमें ओज होता है, सामाजिक व राष्ट्रीय क्षेत्र में कुछ नया करने का जज्बा होता है और जो संकल्प करता है, उसे पूर्ण कर दम लेता है।' उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के प्रतियोगी कार्यक्रमों की सार्थकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन जिला कुर्मी समाज के कोषाध्यक्ष हेमंत देशमुख ने किया। यह जानकारी जिला कुर्मी समाज के सचिव भूपेंद्र चंद्राकर ने दी। इस अवसर पर समाज के संरक्षक चंद्रिका प्रसाद देशमुख, उपाध्यक्ष बहोर, देवेंद्र चंद्राकर, दुष्यंत बेलचंदन, श्रीमती हेमलता चंद्राकर, श्रीमती गिरिजा चंद्राकर, श्रीमती संगीता हरदेल, संतोष देशमुख, हियमन बेलचंदन आदि बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक झूठ किसी की जिंदगी बर्बाद कर देती है- श्रेयांशप्रभ सागर

राजनांदगांव (दावा)। खत्तर गच्छाधिपति श्री मणिप्रभसागर जी के सुशिष्य समयप्रभ सागर जी एवं श्रेयांशप्रभ सागर जी इन दिनों राजनांदगांव में विराजित है और उनका नियमित प्रवचन ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहा है। रविवार को श्रेयांशप्रभ सागर जी ने कहा कि हमारे एक झूठ से किसी की जिंदगी भी बर्बाद हो सकती है इसलिए झूठ बोलने से पहले दस बार सोंचकर बोले। मुनि श्री ने कहा कि हमने किसी को कुछ कहा नहीं कि वो बात एक- दूसरे के पास से होती हुई जब आगे बढ़ती जाती है तब वह झूठ का विशाल पुलंदा बन जाती है। यह झूठ किसी की जिंदगी भी बर्बाद कर देती है। उन्होंने माता सीता का उदाहरण देते हुए बताया कि एक झूठ ने उन्हें फिर से वन भेज दिया। उन्होंने कहा कि इस झूठ से भले ही किसी का लेना-देना ना हो लेकिन वह उसमें सहभागी अवश्य बनना चाहता है। वह यह नहीं सोचता कि उसके सहभागी बनने से किसी का जीवन तहस=नहस भी हो सकता है।

मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने कहा कि कर्मों का फल तो मिलकर ही रहता है। इसलिए अपने कर्म ऐसे करें कि जो अपने लिए आगे चलकर तकलीफदेह न हो और दूसरों के लिए भी नुकसानदायक ना हो। हमें अच्छे विचार बहुत कम आते हैं। दरअसल अच्छे विचार हम अपने मन में लाते नहीं है। जो कर्मों में लिखा है उसे स्वीकार करना ही चाहिए। एक झूठ में अयोध्या को एक सती से दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि झूठ बोलने से कुछ मिलना नहीं है फिर भी हम इस संजोते हैं। उन्होंने कहा कि जहां जरूरत है वहां झूठ बोलना तो समझ में आता है लेकिन झूठ बोलने से पहले हमें यह सोचना चाहिए कि अनावश्यक झूठ किसी की जिंदगी भी बर्बाद कर सकती है।

रिद्धि-सिद्धि कालोनी में महिलाओं का सावन उत्सव, निहारिका शर्मा बनी सावन सुंदरी

राजनांदगांव (दावा)। रिद्धि-सिद्धि कालोनी फेस-1 में महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से सावन उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गणेश मंदिर में भजन-कीर्तन और झूले पर बरसाती गीत और कजरी गाकर सावन उत्सव मनाया गया। इसके साथ ही श्रृंगार प्रतियोगिता में सावन सुंदरी का चयन किया गया और सुहाना श्रृंगार का वितरण किया गया। आयोजन की संयोजिका श्रीमती चंद्रा राय ने बताया कि सावन का महिना प्रकृति उल्लास का महिना है। इसमें महिला श्रृंगार का बहुत महत्व है। इसलिए विगत पंद्रह वर्षों से हमारी कालोनी में लगातार यह उत्सव मनाया जा रहा है। इसमें श्रृंगार प्रसाधन का वितरण किया जाता है। इस साल हमलोगों ने सावन सुंदरी के रूप में निहारिका शर्मा का चयन किया है।

हाथ में स्टेथोस्कोप, दिल में इंसानियत और आंखों में हर जिंदगी बचाने का सपना

राजनांदगांव (दावा)। यदि आप किसी व्यक्ति में जिद, जिजीविषा, जीवटता और जीवंतता का सही संयोजन देखना चाहते हैं, तो आपको राजनांदगांव के डॉक्टर विजय ठाकुर से जरूर परिचित होना चाहिए।डॉक्टर साहब किसी भी समय ,चाहे रात हो या दिन, मरीज़ की मदद के लिए दौड़े चले आते हैं।यही निःस्वार्थ सेवा, यही समर्पण उसे समाज का सबसे सम्मानित और भरोसेमंद किरदार बनाता है एक ऐसा हीरो जिसके लिए इंसान की जान से ज़्यादा ज़रूरी कुछ नहीं है।

गौरतलब है कि, छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के 'तुलसी क्लीनिक' ने वर्षों में हज़ारों कहानियां लिखी हैं, पर हर कहानी का लेखक एक ही रहा करुणा। शहर में डॉक्टरों की कमी नहीं, अस्पतालों की कतार लंबी है, पर डॉक्टर विजय के नाम के साथ जुड़ता है एक खास पहचान वह डॉक्टर जो मरीज़ को कभी हारने नहीं देता। वह सिर्फ बीमारी का इलाज नहीं करता, बल्कि टूटे हुए हौसले को फिर से जोड़ता है, डर में बैठे मरीज़ को भरोसा देता है और परिवारों की मुस्कान लौटाता है। यह कहानी शुरू होती है शहर के श्रमिक बाहुल्य वार्ड से जहां दीवारों पर कोई शानो-शौकत नहीं टंगी थी, बल्कि एक अनकहा संस्कार बहता था, 'सेवा परमो धर्म'। दशकों बाद भी, अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए, डॉक्टर विजय की सुबह उसी एक वाक्य के साथ खुलती है, जैसे वह कोई प्रार्थना हो, कोई प्रण हो, जिसे रोज़ नए सिरे से निभाना है।

डॉक्टर विजय की चिकित्सा सिर्फ स्टेथोस्कोप तक सीमित नहीं। उनका मानना है कि तन की बीमारी तो दवा से ठीक हो जाती है, मगर मन के भीतर जो एक अनदेखा रोग बैठा है - भय- उसका कोई नुस्खा किताबों में नहीं लिखा। उसे मिटाने की दवा वे खुद तैयार करते हैं, हर दिन, हर मरीज़ के लिए अलग दो मीठे बोल, एक भरोसे भरी मुस्कान, और यह यकीन कि 'सब ठीक हो जाएगा।' यही वह नुस्खा है, जो टूटे हुए मन के तारों को चुपचाप फिर से जोड़ देता है।

इतनी सेवा के बावजूद जब उनसे पूछा जाता है कि इतनी ताकत कहां से आती है, तो उनका जवाब बड़ा सादा होता है- यह सब ऊपरवाले की मेहरबानी है, मैं तो बस एक ज़रिया हूं। यह विनम्रता, यह अहंकार-शून्य समर्पण, उन्हें भीड़ से अलग खड़ा करता है। एक हाथ जो हर रोज़ ज़िंदगियां बचाता है, वही हाथ हर शाम ईश्वर का शुक्रिया अदा करता है - यही शायद सेवा की सच्ची परिभाषा है।

आज जब दुनिया भीड़ में भी अकेली होती जा रही है, जब रिश्ते सिर्फ स्क्रीन पर सिमटते जा रहे हैं, डॉक्टर विजय ठाकुर की यह सोच एक रोशनी की तरह राह दिखाती है - हमें एक-दूसरे का सहारा बनना है। उनकी यह कहानी हमें सिखाती है कि दवा शरीर को ठीक करती है, पर इंसानियत रूह को। यही कारण है कि डॉक्टर को धरती पर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है क्योंकि जहाँ उम्मीद टूटने लगती है, वहीं से डॉक्टर की सेवा और समर्पण नई राह दिखाना शुरू करते हैं।

अनमोल दावा

"गलतियाँ वही करते हैं जो कुछ नया करने की कोशिश करते हैं।

वैश्विक ब्रांडों में पारंपरिक संपदा की वृद्धि

भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसर पैदा करते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभरा है। उत्पादों को उनके मूल स्थान से जोड़कर, जीआई टैग पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करते हैं, दुरुपयोग को रोकते हैं और उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाते हैं। वे कारीगरों, बुनकरों, किसानों और उत्पादक समूहों को बेहतर बाजार पहचान हासिल करने और प्रीमियम बाजारों तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत के जीआई इकोसिस्टम का काफी विस्तार हुआ है, जो एक मजबूत कानूनी ढांचे और बढ़ती जन जागरूकता द्वारा समर्थित है। सरकार की पहल वित्तीय सहायता, निर्यात संवर्धन, पर्यटन एकीकरण और समर्पित विपणन प्लेटफार्मों के माध्यम से इस इकोसिस्टम को और मजबूत कर रही है। साथ ही, ये प्रयास जीआई उत्पादों को ग्रामीण विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और निर्यात-आधारित विकास के वाहकों के रूप में बदल रहे हैं।

बनारस में एक बुनकर एक बनारसी साड़ी बनाने में कई सप्ताह का समय लगाता है। जटिलतापूर्ण जरी के काम का हर धागा असाधारण सटीकता और कौशल के साथ बुना जाता है। ये तकनीकें रातोंरात नहीं सीखी जाती हैं। वे सदियों पुरानी परंपरा को संरक्षित करते हुए पीढ़ियों से चले आ रहे हैं।

फिर भी, इन प्रयासों और शिल्प कौशल के बावजूद, कई प्रामाणिक बनारसी साड़ियां अक्सर अपने वास्तविक मूल्य से बहुत कम कीमतों पर बेची जाती हैं। खरीदार हमेशा हाथ से बुनी हुई असली साड़ी को अन्य नकलों से अलग करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। यह वह जगह है जहां दो शब्द यानी जीआई टैग (भौगोलिक संकेत) सभी अंतर बनाते हैं।

एक जीआई टैग प्रमाणित करता है कि साड़ी वास्तव में बनारस में पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके बनाई गई है। यह खरीदारों को इसकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और सांस्कृतिक विरासत का आश्वासन देता है। परिणामस्वरूप, प्रामाणिक बनारसी साड़ी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी अधिक कीमत प्राप्त कर सकती है। यह सुनिश्चित करता है कि बुनकर को उनकी शिल्प कौशल के लिए अधिक मान्यता और बेहतर आर्थिक लाभ मिले।

भारतीय परंपरा, अर्थव्यवस्था, स्थिरता में जीआई वस्तुओं का महत्व

जीआई टैग कारीगर शिल्प के लिए प्रामाणिकता की मुहर के रूप में कार्य करता है, उन्हें नकल, दुरुपयोग और अनधिकृत व्यावसायीकरण से बचाता है। हालांकि, इसका महत्व कानूनी सुरक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उदाहरण के लिए, चन्नापटना के खिलौनों को 2006 में जीआई मान्यता मिली। ये मान्यता सिर्फ कर्नाटक के चन्नापटना क्षेत्र में बने लकड़ी के खिलौनों पर ही लागू होती है। खिलौनों का उत्पादन क्षेत्र की विशिष्ट लाह कला का उपयोग करके किया जाना चाहिए। हालांकि यह एक सरल प्रमाणन प्रतीत हो सकता है, टैग दूरगामी लाभ प्रदान कर सकता है।

एक जीआई टैग एक लेबल से कहीं अधिक है। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार, यह ग्रामीण कारीगरों की आय को 20-30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है! किसी उत्पाद की उत्पत्ति और अनूठी विरासत को प्रमाणित करके, जीआई टैग खरीदारों के बीच विश्वास पैदा करते हैं और उत्पाद की बाजार अपील को बढ़ाते हैं।

जैसे-जैसे उपभोक्ता तेजी से प्रामाणिकता, परंपरा और शिल्प कौशल की तलाश कर रहे हैं, जीआई मान्यता गुणवत्ता और सांस्कृतिक विशिष्टता के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करती है। जीआई-टैग किए गए उत्पादों की बढ़ती मांग कारीगरों को अधिक दृश्यता प्राप्त करने, प्रीमियम बाजारों तक पहुंचने, उनकी सौदेबाजी की शक्ति को मजबूत करने और उनके काम से उत्पन्न मूल्य के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने में सक्षम बनाती है।

मान्यता स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करती है। वे भविष्य की पीढ़ियों के लिए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी शिल्प कौशल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुजफ्फरनगर गुड़ की सफलता की कहानी: स्थानीय विशेषता से लेकर वैश्विक बाजारों तक मुजफ्फरनगर गुड़ के लिए जीआई टैग ने विशिष्ट गुणवत्ता और उत्पत्ति के साथ एक प्रीमियम उत्पाद के रूप में अपनी पहचान को मजबूत करने में मदद की है। इस मान्यता का लाभ उठाते हुए, बृजनंदन एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने 2025 में बांग्लादेश को 30 मीट्रिक टन गुड़ का सफलतापूर्वक निर्यात किया। जीआई प्रमाणन ने खरीदारों के विश्वास को बढ़ाया और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पाद की विपणन क्षमता में सुधार किया।

परिणामस्वरूप, किसान के नेतृत्व वाली कंपनी को निर्यात के अवसरों तक पहुंच प्राप्त हुई। इसने अपने 545 सदस्यों के लिए आय की संभावनाओं को बढ़ाया और स्थानीय रूप से उत्पादित गुड़ के लिए अधिक मूल्य कायम किया।

पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग चाय जीआई टैग प्राप्त करने वाला भारत का पहला उत्पाद था, जिसमें उत्पाद और उसके लोगो दोनों को सुरक्षा प्रदान की गई थी। अन्य शुरुआती पंजीकरणों में केरल के एक पारंपरिक हस्तशिल्प अरनमुला कन्नडी और तेलंगाना के एक प्रसिद्ध वस्त्र शिल्प पोचमपल्ली इकत शामिल थे।

भारतीय जीआई उत्पादों के लिए प्रमुख निर्यात स्थलों में ब्रिटेन, इटली, यूएई, बहरीन, कतर, अमेरिका, दक्षिण कोरिया शामिल हैं। बौद्धिक संपदा के एक रूप के रूप में, जीआई को औद्योगिक संपदा के संरक्षण के लिए पेरिस कन्वेंशन और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार से संबंधित पहलुओं पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समझौते (ट्रिप्स) के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। भारत में, उनके पंजीकरण और संरक्षण की देखरेख 1999 अधिनियम के तहत भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री द्वारा की जाती है।

"अबकी पुरुबवा धनि हो जाये द जरूर..!"

शंकर मुनि राय

जो लोग हमारे लोकगीत को ''गँवारू'' कहकर उपहास करते हैं, उनसे निवेदन है कि कृपया इन गीतों के मर्म को समझने की कोशिश करेंगे--

अबकी पुरुबवा धनि हो जाये द जरूर..!

तोहरा अंगूरी जोग अंगुठिया हम ले आईब हो जरूर!
तोहरा गलवा जोग हरवा हम ले आईब हो जरूर
तोहरा मंगिया जोग टिकवा हम ले आईब हो जरूर!
मंगिया के टिकवा हमरा तरवा के धूर
दिनवां कतहूँ बितई ह, रतिया नैना के हजूर
रतिया सेजिया के हजूर!

यह एक कजरी गीत है. पहले बरसात के दिनों में गांव में लड़कियां-युवतियां किसी पेड़ की डाल में रस्सी का झूला लगाकर झूलते हुए इसे गाया करती थीं. तब यह मनोरंजन के साथ ही भावी दाम्पत्य जीवन का पाठ भी हुआ करता था.

तथाकथित आज का बौद्धिक समाज जब यह कहता है कि स्त्रियां स्वभाव से सौंदर्य साधनों की भूखी होती हैं, आभूषणप्रियता उनकी सबसे बड़ी कमजोरी है, तब हमारा यह लोकगीत साबित करता है कि भारतीय नारी के लिए उसके सुहाग से बड़ी चीज इस दुनिया में कुछ भी नहीं है. वह अपनी सुहाग की रक्षा के लिए भौतिक संसाधनों को लात मार देती हैं.

इस गीत में पति अपने दायित्व का निर्वाह करने के लिए अपनी नव-ब्याहता नायिका को अकेले छोड़कर सुदूर पूरब देश में कमाने के लिए जाना चाहता है. लेकिन पत्नी इसके लिए राजी नहीं हो रही है. तब पति कहता है कि परदेस जाने दोगी तो मैं इतना कमाऊंगा कि तुम्हारे लिए एक से एक मनपसंद गहने अवश्य लाऊंगा। इसके लिए वह एक-एक करके सारे गहनों के नाम गिना रहा है. लेकिन पत्नी का कहना है कि ये सारे गहने मेरे लिए मेरे तलवे की धूल के बराबर हैं. अर्थात यदि आप मेरे साथ नहीं रहेंगे तो मेरे जीवन में इन सबका कोई महत्त्व नहीं है. मैं तो बस इतना ही चाहती हूँ कि दिनभर चाहे आप कहीं भी रहें, शाम को मेरी आँखों के सामने रहें, रात्रि शयन हम दोनों एक ही सेज पर करें!

अब दूसरे गीत को देखें-

रुनझुन खोलना केंवरिया हम विदेसवा जइबो न!
एहो पिया जब तूं विदेसवा जइह न
हमरा भइया के बोला द हम नइहरवा जइबो न!
एहो धनि जब तूं नइहरवा जइह न
जतना लागल बा रुपइया ओतना देइके जइह न!
जतना लागल बा रुपइया ओतना देइके जइबो न
जइसन बाबा घरसे अइनीं ओइसन होइके जइबो न !

यह भोजपुरी का एक बहुत ही लोकप्रिय बरसाती गीत है. इसे प्रायः महिलाएं सावन-भादो की बरसात में झूला झूलते वक्त गाती हैं. इसलिए इसे झूला गीत भी कहा जाता है. यह पति-पत्नी अथवा नायक-नायिका के बीच का संवादी गीत है. इसमें दोनों की अपनी-अपनी सामाजिक बाध्यताएं हैं. इसमें आपसी नोक-झोंक, रस-रंग, और पारिवारिक शर्तों पर आधारित रिश्ते की बागडोर इतनी मजबूत है कि दोनों अपने आप चुप हो जाते हैं. किन्तु मेरा मानना है कि इस गीत में पत्नी अथवा नायिका पुरुषत्व के अहम् को परास्त करके आगे निकल जाती है. इस अर्थ में यह कहना कि स्त्री का सामाजिक स्तर पुरुष से नीचे है, एकदम तर्कसंगत नहीं है.

अब गीत का भाव देखें. प्रसंग एक नव-ब्याहता जोड़े का है. पुरुष अथवा नायक अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सचेत है. उसे लगता है कि पत्नी को खुश रहने के लिए कमाना और इसके लिए उससे बहुत दूर जाना जरुरी है. लेकिन पत्नी है कि उसे परदेश नहीं जाने देना चाहती है. पति का सारा सामान अपने घर में छुपाकर भीतर से किल्ली लगाकर स्वयं भी छुप जाती है. पति बड़ी प्यारी शब्दावली में निवेदन करता है कि उसे परदेश जाना बहुत जरुरी है, इसलिए वह बंद दरवाजे को खोल दे, ताकि वह अपना जरुरी सामान लेकर प्रस्थान कर सके. उधर नवेली दुल्हन की कल्पना यह है कि ऐसी स्थिति में तो नइहर में ही रहना अच्छा है, वह पति के बिना इस बरसाती मौसम में अकेले कैसे रह सकती है? इसलिए वह कहती है कि नहीं, आपको परदेश नहीं जाना है, जब पति बहुत जिद्द करता है, तब वह एक शर्त रखकर अनुमति देना चाहती है. वह सा? कहती है कि यदि आपको परदेश जाना है तो मेरे भाई को बुला दीजिये, मैं उसके साथ भले मायके चली जाऊँगी, पर इस भकसावन घर में अकेले नहीं रहूंगी.

पत्नी की इस शर्त से पति का अहम् जागृत होता है और वह भी अपने साले को बुलाकर भेजने की बात तो करता है, पर वह भी एक शर्त रखता है. पति का कहना है कि उसने अपनी पत्नी को बड़ी मुश्किल से लाया है, इस प्रक्रिया में उसे बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़े हैं. अब पत्नी को मायके ही जाना है तो जा सकती है, पर शादी में जो खर्चा हुआ है, उसे लौटाकर जाना होगा. अब पत्नी अपनी शादी का खर्च तो लौटाने के लिए तो तैयार हो जाती हैं, पर एक ऐसी शर्त रख देती है कि पति निरुत्तर हो जाता है और गीत एक बहुत बड़ी संकेतात्मक सीख देकर समाप्त हो जाता है.

पत्नी अपनी अंतिम शर्त में यही कहती है कि वह अपनी शादी में खर्च हुए पैसे को लौटाकर जाने के लिए तैयार है. लेकिन वह अपने मायके में ठीक वैसे ही जाना चाहेगी जैसे वहां से आयी थी. अर्थात वह अपने कौमार्य की वापसी की मांग करने लगती है. पत्नी की इस शर्त के सामने पति मौन साध लेता है. क्योंकि स्त्री का कौमार्य लौटाने का विकल्प दुनिया के विधान में नहीं है। गीत का सारांश यह है कि दुनिया की सारी भौतिक वस्तुएं क्रय-विक्रय की चीज हैं, उन्हें लौटाया जा सकता है. परन्तु स्त्री का कौमार्य ऐसा अनमोल धन है जिसका कोई विकल्प नहीं हैं.

विभागाध्यक्ष -हिंदी शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

मूल निवासी दिवस : इतिहास, अधिकार और आत्मसम्मान की चेतना

अमिताभ दुफारे

मानव सभ्यता के विकास में उन समुदायों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जो सदियों से अपनी भूमि, संस्कृति, भाषा, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों के साथ जुड़े हुए हैं। विश्व के अनेक देशों में ऐसे समुदायों को लंबे समय तक सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक अधिकारों से वंचित रखा गया। इन्हीं समुदायों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मूलनिवासी अधिकारों का प्रश्न मजबूती से उठाया गया।

संयुक्त राष्ट्र और मूलनिवासी अधिकार- मानवाधिकारों और विश्व शांति के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र संघ (NO) की स्थापना 1945 में हुई। भारत संयुक्त राष्ट्र का प्रारंभिक सदस्य देश रहा है और 30 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता ग्रहण की।

मूलनिवासी समुदायों के अधिकारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत महत्वपूर्ण पहल हुई। संयुक्त राष्ट्र के Working Group on Indigenous Populations (NWGIP) की पहली बैठक 9 अगस्त 1982 को जिनेवा में हुई। इस दिन को बाद में विश्व मूलनिवासी दिवस के रूप में विशेष महत्व प्राप्त हुआ।

संयुक्त राष्ट्र ने यह स्वीकार किया कि दुनिया के अनेक हिस्सों में रहने वाले मूलनिवासी समुदाय आज भी अपने भूमि-अधिकार, संस्कृति, भाषा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सम्मान और राजनीतिक भागीदारी जैसे मूलभूत अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

इसके बाद मूलनिवासी समुदायों के अधिकारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार विचार-विमर्श और प्रयास हुए। 1993 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व के मूलनिवासी लोगों का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया गया। आगे चलकर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में 9 अगस्त को विश्व के मूलनिवासी लोगों का अंतरराष्ट्रीय दिवस (International Day of the World's Indigenous Peoples) घोषित किया।

आज 9 अगस्त केवल एक उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि यह दिन हमें अपने इतिहास, संस्कृति, पहचान, अधिकारों और सामाजिक जिम्मेदारियों पर चिंतन करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत के संदर्भ में मूलनिवासी प्रश्न

भारत में मूलनिवासी शब्द को लेकर सामाजिक, ऐतिहासिक और वैचारिक स्तर पर विभिन्न मत हैं। बहुजन चिंतन की एक धारा भारत के SC, ST और OBC सहित वंचित एवं श्रमजीवी समुदायों को मूलनिवासी बहुजन समाज के व्यापक सामाजिक संदर्भ में देखती है। वहीं भारतीय संविधान और सरकारी प्रशासनिक व्यवस्था में SC, ST और OBC अलग-अलग संवैधानिक/कानूनी श्रेणियाँ हैं।

इसलिए मूलनिवासी दिवस का संदेश किसी समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि समानता, न्याय, सम्मान और अधिकारों की चेतना को मजबूत करने का संदेश होना चाहिए।

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से ऐसे भारत की नींव रखी, जिसमें जन्म के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ भेदभाव न हो और प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हो।

हमारा संकल्प

9 अगस्त के अवसर पर हमें केवल इतिहास को याद नहीं करना है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी संकल्प लेना है–

- अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करेंगे।
- शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बनाएंगे।
- अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझेंगे।
- सामाजिक भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाएंगे।
- जल, जंगल, जमीन और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े अधिकारों के प्रश्नों पर जागरूकता बढ़ाएंगे।
- महिलाओं, बच्चों और वंचित वर्गों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करेंगे।
- समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, बंधुता और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देंगे।
- आने वाली पीढ़ी को अपने इतिहास और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाएंगे।

बहुजन समाज से विशेष अपील

विश्व मूलनिवासी दिवस हमारे लिए केवल कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक जागृति, आत्मसम्मान और अधिकार चेतना को मजबूत करने का अवसर है।

अतः समस्त मूलनिवासी बहुजन समाज, SC, ST, OBC एवं सभी सामाजिक रूप से वंचित और श्रमजीवी समुदायों से अपील है कि 9 अगस्त को विश्व मूलनिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनें।

अपने तन-मन-धन और विचारों से सहयोग करें। समाज में शिक्षा, संगठन, समानता और संवैधानिक चेतना का संदेश पहुंचाएं।

आइए, 9 अगस्त को केवल दिवस के रूप में न मनाकर इसे जागरूकता, एकता, आत्मसम्मान और अधिकारों के संकल्प दिवस के रूप में मनाएं।

कविता

॥ बने राह्य प्रेम भाव ॥

राम-राम होवत राहे सबसंग
बनत रहे परेम भाव ,
नान नान गोठ बात ल धरके
झन रखो गा मनमुटाव द्य
एक जगह सब बइठो उठो
गांव के प्रगति बर गोठियाव,
गांव सरग बन जहि संगी,
जुरमिल के आगु तो आव।
गांधी जी के सपना पूरा होही,
राम राज के होही हियाव।
आओ चलो दया अउ सुम्मत के
सुघर बनाथन जी अपन गांव।।

पवन यादव 'पहुना'
ग्राम सुंदरा जिला
राजनांदगांव

सामयिक चर्चा

प्रशिक्षु आईपीएस का प्रशिक्षण

अखबार उठाकर,
बानी बोले- ''सुनिए गजाधर!
आज एक प्रशिक्षु आईपीएस द्वारा
रिश्वत लेने की खबर -
प्रशिक्षु आईपीएस और
अंबिकापुर सीएसपी राहुल बंसल पर
ठगी के मामले में, हवाला के जरिए
एक करोड़ रिश्वत लेने का आरोप लगा है।
हरियाणा के रहने वाले शिकायतकर्त्ता ने,
सीबीआई कोर्ट दिल्ली में परिवाद दायर किया है।
इसके अलावा कोर्ट को वाट्सएप चैट
और आडियो क्लिप भी सौंपा गया है।
शिकायत में आरोप लगाया गया है
कि अंबिकापुर साइबर सेल में पदस्थ
एएसआई प्रवीण कुमार राठौर
और कान्स्टेबल अंशुल शर्मा के जरिए
रिश्वत का सौदा किया गया
आरोप है कि एक करोड़ रूपए
हवाला आपरेटरों के
जरिए पहुॅचाया गया।
इस पूरे मामले में छत्तीसगढ़ के डीजीपी को
नोटिस जारी किया गया।
अब कहिए गजाधर! यह सब सुनकर
आपका मन, आपसे क्या
कुछ कह रहा था?''
गजाधर मुस्कराए, बोले- ''बानी!
यही कि प्रशिक्षु आईपीएस राहुल बंसल
पुलिसिया कामकाज के साथ-साथ,
रिश्वत का भी प्रशिक्षण ले रहा था।'
(शनिवार 8 अगस्त 2026)

गिरीश बख्शी

कविता

महंगाई

महंगाई होगे डायन
भ्रष्टाचार बनगे रावन
हमर दुख ला संगी कोन ला सुनावन
चांउर के किलो चालीस
दार के किलो अस्सी,
देखे बर मिलतय नइये
दूध दही अउ लस्सी,
लइका मन ला काला पुरावन
महंगाई होगे डायन.....
शक्कर तेल के भाव आसमान छुवत हे
घर के सियानी करइया मुड़ी धर के रोवत हे
घर के बात ला कोन बतावन
महंगाई होगे डायन.....
दिनों दिन बढ़त हे आदमी के खरचा
भ्रष्टाचार अत्याचार के होवत हे चर्चा
मोटर मं पेट्रोल कइसे डलावन
महंगाई होगे डायन.....
पियाज के किलो सौं आलू किलो तीस
भाजी पाला बेचावथे किलो म चालीस
लहसुन मिरचा के भाव बढ़े हे
फोरन कालाडारन
महंगाई होंगे डायन.....
गरीब किसान काला बताय
काला खरीदे अउ काला खाय
भाव सुनके लगथे डरावन
महंगाई होगे डायन
भ्रष्टाचार बनगे रावन...

डॉ. एस एल गंधर्व
झलमला, बालोद
9926656038

राशिफल

मेष
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप व्यापार में अच्छा धन लाभ कमायेंगे, घर में सम्पन्नता आएगी। आज आप किसी समस्या को अपने स्तर पर सुलझाने में सफल रहेंगे। आज ऑफिस में सीनियर्स आपके काम से इम्प्रेस होकर आपकी तारीफ करेंगे आपको अच्छा गिफ्ट भी मिल सकता है।

वृष राशि
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप अपनी काबिलीयत के दम पर किसी काम को करने में सफल रहेंगे। आज शाम का समय आप फैमली के साथ बहुत अच्छे से गुजारेंगे। आज आप वित्तीय मामलों में जो भी निर्णय लेंगे वो आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। आज जीवनसाथी के साथ आपका सामंजस्य बना रहेगा।

मिथुन
आज आपका दिन एक नयी उमंग लेकर आया है। मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगें , जो आपको आगे बढ़ने में मदद करेंगें। अपनी समझदारी से आप फालतू के खर्चों से बच सकते हैं सेविंग की आदत को अपनाये। आज आपके दाम्पत्य रिश्तों में मधुरता आयेगी। आज आपको बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा।

कर्क
आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप अपनी कारोबारी गतिविधियों में कुछ बदलाव कर सकते हैं , जो आपके लिए फायेदेमंद रहेगा। आज इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदने का विचार बना रहे हैं तो आज आपको अच्छा ऑफर मिलेगा। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा और आप स्वयं को ऊर्जा से भरा महसूस करेंगे।

सिंह
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप कुछ नए विचारों पर काम करेंगे ये विचार आपको अधिक मुनाफा देंगे। आज आप अपने लक्ष्य पर फोकस रहे जल्द ही आपको सुखद परिणाम मिलेंगे। आज आप कठिन से कठिन कार्य में अपना आत्मविश्वास बनाये रखें। आज आलस की वजह से किसी भी काम को टालने का प्रयास ना करें।

कन्या
आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके लिए रोजगार में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। आज ऑफिस का काम समय पर पूरा हो जायेगा , जिससे आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के राजनीति क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को आज कुछ नया अनुभव होगा। आज आपके घर में धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी हो सकती है , जिससे परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

तुला
आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा , घर में सुख ङ्क शांति बनी रहेगी। आज कारोबारी गतिविधियां व्यवस्थित रहेगी, लेकिन लेनदेन से सम्बन्धित मामलों में सावधानी रखें। इस राशि के छात्रों को आज किसी विषय को समझने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए मिला ङ्क जुला रहेगा। आज आपके विनम्र स्वभाव की सराहना होगी और आज आप किसी भी चुनौती का सूझबूझ से समाधान निकाल लेंगे। आज आप व्यस्तता के बावजूद अपने व्यक्तिगत कार्यों को भी सहज तरीके से निपटा लेंगे। आज आप खर्चों के साथ-साथ अपनी आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखें।

धनु
आज का दिन आपके लिए लकी रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है, सफलता के अच्छे अवसर जल्द ही मिलेंगे। आज आप घर के वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ और मान सम्मान का ध्यान रखें तथा उनके मार्गदर्शन पर अमल करें। आज आप परिवार के साथ अधिक समय बिताएंगे, कहीं घूमने की प्लानिंग बना सकते हैं।

मकर
आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आपको प्रियजनों से मिलने का मौका मिलेगा , जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपको आपकी मनपसन्द वस्तु मिलेगी, जिससे आप बहुत अधिक प्रसन्न होंगे। आज आपको पिछले कुछ समय से चल रही समस्या का समाधान मिलेगा और आप अपने अन्य कामों पर भी ध्यान दे पाएंगे।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए बेहद खुशनुमा रहेगा। आज अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप परिवार और व्यवसाय में उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे। आज कारोबार में नई गतिविधियों पर काम करने के लिए दिन अच्छा है, परंतु अच्छे नतीजे के लिए धैर्य रखना होगा। आज आप शाम को पार्क घूमने जायेंगे, जिससे आपका मन तरोताजा रहेगा।

मीन
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ी डील मिलेगी , जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा और बच्चे भी अपनी पढाई के ऊपर फोकस करेंगे। यदि आज आप नया घर खरीदने का विचार कर रहे हैं तो पहले परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य से बात कर सकते हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर अंबागढ़ चौकी में निकली भव्य रैली, जय सेवा और सेवा जोहार के नारों से गूंजा नगर

अंबागढ़ चौकी (दावा)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को अंबागढ़ चौकी नगर में आदिवासी समाज द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला और सामाजिक विरासत की शानदार झलक देखने को मिली। नगर में निकाली गई भव्य रैली में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे महिला-पुरुषों और युवाओं की उपस्थिति ने रैली को आकर्षक बना दिया। इस दौरान जय सेवा और सेवा जोहार के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया। पारंपरिक वेशभूषा में लोकनृत्य, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ढोल-मांदर और पारंपरिक आदिवासी धुनों पर समाज के लोग जमकर थिरके और अपनी संस्कृति के प्रति गौरव का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों पर प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिकता और विकास के दौर में अपनी जड़ों से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से परिचित कराने की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक व्यक्ति की है।

जल, जंगल और जमीन से जुड़ी है आदिवासी पहचान

वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान केवल उसकी परंपराओं और रीति-रिवाजों से नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन के साथ उसके सदियों पुराने गहरे संबंध से भी जुड़ी हुई है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण आदिवासी जीवनशैली और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। इसलिए विकास के साथ प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को भी प्राथमिकता दिया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक न्याय और आदिवासी अधिकारों के संरक्षण को लेकर भी जागरूकता का संदेश दिया गया। समाज के लोगों ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा भी जरूरी है। नगर में निकली भव्य रैली में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विविधता देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल महिला-पुरुषों और युवाओं ने लोकनृत्य एवं पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति दी। आदिवासी धुनों पर थिरकते लोगों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। रैली के दौरान समाज की एकता, संस्कृति और अधिकारों के संरक्षण का संदेश दिया गया। विश्व आदिवासी दिवस के इस आयोजन में समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, प्राकृतिक विरासत और सामाजिक पहचान को संरक्षित रखने तथा इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। आयोजन ने न केवल आदिवासी संस्कृति की समृद्ध विरासत को सामने रखा, बल्कि समाज में एकता, जागरूकता और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश भी दिया।

संस्कृति और अधिकारों के संरक्षण का संकल्प

अंबागढ़ चौकी (दावा)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को अंबागढ़ चौकी में आदिवासी समाज की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया गया।इस दौरान आदिवासी समाज के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी सांस्कृतिक परंपराओं के साथ जल, जंगल और जमीन से जुड़े गहरे संबंधों से भी है। नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और विरासत से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक न्याय और आदिवासी अधिकारों के संरक्षण को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि विकास के साथ आदिवासी भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी जरूरी है। विश्व आदिवासी दिवस पर समाज के लोगों ने सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और अपनी परंपराओं व विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बिना कर्मचारियों के उमरवाही में पशु चिकित्सालय संचालित

जोंधरा (दावा)। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 3 अगस्त 2023 को जारी आदेश के अनुसार ग्राम उमरवाही में आदेश क्रमांक 756/ एफ8-61135/ 22/ 2023 के अनुसार पशु औषधालय खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। पर आज 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी ना तो इस औषधालय के लिए कोई डॉक्टर, कंपाउंडर और ना ही किसी चपरासी की नियुक्ति की जा सकी है। उद्घाटन के दिनों में छुरिया विकासखंड के आश्रित ग्राम गिदर्री में पदस्थ पशु चिकित्सक ने 3 महीने सेवाएं दी फिर उसके बाद सिर्फ भवन बच गया और कर्मचारी नदारत हो गए जो आज दिनांक समाचार लिखे जाने तक भी नदारत हैं। क्षेत्रीय विधायक के द्वारा उद्घाटन-शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक भोलाराम साहू को बुलाकर उनके करकमलों से इस औषधालय का उद्घाटन कराया था।

आज ग्रामीण अंचलों में जानवरों के प्रति लोगों का प्यार कम हो गया है लोग अपने जानवरों को अपने ग्राम से हटकरर दूसरे ग्राम में छोड़ रहे हैं इसका प्रमुख कारण ग्रामीण क्षेत्रों में चरागाहह की कमी के साथ-साथ जानवरों के बीमार पड़ने पर उचित डॉक्टर की व्यवस्था है पर यह सौभाग्य है कि उमरवाही से जुड़े लगभग 25 ग्रामों के ग्रामीण अपने जानवरों को संभाल के रखे हुए हैं। जरूरत है तो उन्हें पर्याप्त चिकित्सा की। ग्राम उमरवाही निवासी शेख निजामुद्दीन, सरपंच रामाधीन रावटे, समाजसेवी लक्ष्मीचंद सांखला, बिसरूराम नायक, नंदलाल राणा, पंचराम उर्वशा, सफीक खॉ आदि ने शासन से शीघ्र ही उमरवाही में पशु चिकित्सक एवं स्टाफ की नियुक्ति की मांग की है।

जानवर यूं ही मर रहे हैं

ग्राम उमरवाही सहित अंचल के 25 ग्राम मिलाकर कुल गाय, बैलों और भैंसें की संख्या लगभग 10000 के करीब है। इंसानों की तरह जानवरों को भी समय-समय पर कई बीमारियां जकड़ लेती है जिनका समाधान सिर्फ विशेषज्ञ के पास होता है और क्षेत्र में कोई ऐसा विशेषज्ञ ही नहीं है विशेषज्ञ का मतलब पशु चिकित्सा डॉक्टर से है जो नहीं है।

पहला कॉलम...

ऑनलाइन व ऑफलाइन सट्टा खिलाते दो आरोपी गिरफ्तार

खैरागढ़ / गंडई (दावा)। केसीजी जिले में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना गंडई पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में गंडई पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर ग्राम नर्मदा में दबिश देकर अवैध रूप से सट्टा संचालित कर रहे दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के स्क्रीनशॉट, सट्टा पट्टी तथा नगदी रकम बरामद की है।

शुक्रवार, 7 अगस्त को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना गंडई की विशेष टीम ने तत्काल ग्राम नर्मदा में मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ और तलाशी के दौरान दो आरोपियों मिर्जा इकबाल (उम्र 47 वर्ष), पिता- स्व. इब्राहिम बैग, निवासी- ग्राम नर्मदा एवं अकरम बेग मिर्जा (उम्र 53 वर्ष), पिता- स्व. चांद बेग मिर्जा, निवासी- ग्राम खैरानवापारा के पास से ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टा संचालन के पुख्ता सबूत मिले। गिरफ्तार आरोपी से सामग्री एवं ऑनलाइन लेनदेन, मिर्जा इकबाल से व्हाट्सएप पर ऑनलाइन सट्टा संचालन का रु. 46,035 का हिसाब-किताब, फोनपे के माध्यम से रु. 1,13,900 के ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के 04 स्क्रीनशॉट, सट्टा संचालन में प्रयुक्त 01 नग मोबाइल फोन वहीं अकरम बेग मिर्जा से 02 नग सट्टा पट्टी, 01 नग नीला डॉट पेन, नगदी रकम रु. 550 छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की विभिन्न धाराओं के तहत अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध किया है। गंडई पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिवत कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया

डोंगरगढ़ (दावा)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर डोंगरगढ़ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा आज नए विश्रामगृह में क्रांति दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया गया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। उक्त कार्यक्रम में डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हरीश भंडारी, रिमी भाटिया, शिशुपाल भारती, श्रीमती नलिनी मेश्राम, बबलू शांडिल, जितेन्द्र भाटिया, मतीन खान, अमीन ऊके, एडविन हैदर, दुलीचंद बडोले, केशव टांडी, दिनेश साखरे, संजीव गुप्ता, प्रशांत कानडे, चंद्रशेखर बोरकर, देवेंद्र वालदे, बलिराम मेश्राम, जगतारण यादव, आनंद बंसोड़, रितु निर्मलकर, निशा निर्मलकर, सुमित कुमार खोपरागड़े, सुरेश चौधरी, ऋषि शर्मा, सचिन जंभुलकर, किशोर अंबादे ,के विनायक राव, सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

लाल किला दिल्ली के स्वतंत्रता समारोह में डोंगरगांव के तिलक राजा साहू देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुति

डोंगरगांव (दावा)। भारत की आजादी के 80 वें वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आगामी 15 अगस्त को लाल किले में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में इस वर्ष राजनांदगांव जिले के लोक कलाकार और संस्कृतिकर्मी तिलक राजा साहू छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। छत्तीसगढ़ के संस्कृति एवं राजभाषा विभाग द्वारा इस वर्ष नई दिल्ली के स्वतंत्रता समारोह में कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिय तिलक राजा साहू का चयन किया गया है। श्री साहू ने बताया कि वे 15 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे अपनी टीम लोकधारा के साथ 30 मिनट का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। डोंगरगांव के समीप ग्राम जामसरार कला के मूल निवासी तिलक राजा साहू ने मात्र 08 वर्ष की उम्र में पहला देवार गीत लिखकर अपनी प्रतिभा का का परिचय दिया था। वे विगत 38 वर्षों से कला के क्षेत्र में सक्रिय हैं। बाल्यकाल से लोककला एवं संगीत के क्षेत्र में सक्रिय तिलक राजा साहू ने नाचा पार्टी से अपनी लोक कला की शुरुआत करते हुए प्रख्यात रंगकर्मी मदन निषाद, दीपक विराट और दीपक चंद्राकर के सानिध्य में अपनी कला प्रतिभा को धीरे धीरे परिमार्जित किया

और बाद में स्वयं लोक सांस्कृतिक मंच लोकधारा का गठन कर छत्तीसगढ़ में अपनी पृथक पहचान बनाई।

तिलक राजा साहू मूल रूप से गायक हैं लेकिन नृत्य एवं अभिनय में भी अपनी छाप छोड़ी है। अपनी टीम में अब वे संगीत निर्देशक की प्रभावी भूमिका निभाते हैं। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से लोक संगीत में दो वर्षीय डिप्लोमा प्राप्त तिलक राजा साहू ने छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

नई दिल्ली के आठवें राष्ट्रीय युवा उत्सव, पूना के 12 वें राष्ट्रीय युवा उत्सव और भुनेश्वर के 15 वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में सम्मानित तिलक राजा को उनके सांस्कृतिक योगदान के लिए कला गौरव, सामाजिक समरसता सम्मान और समाज गौरव सम्मान समेत अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से विभूषित किया गया है। तिलक राजा साहू पिछले कुछ वर्षों से छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोक आयोजनों में से एक लोक मड़ई में सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजक की भूमिका भी निभा रहे हैं। वे 1998 से राजधानी रायपुर में रहते हुए कला साधना में रत हैं लेकिन अपने मूल गांव से उनका सतत् जुड़ाव बना हुआ है।

जिला मुख्यालय के आदेश की अवहेलना

एसएमसी बैठक कर फिर आदेश को टाला, स्कूल भवन में चल रहा है संकुल-खाली करने का आदेश

डोंगरगांव (दावा)। नगर में संचालित पीएमश्री सेजेस द्वारा संकुल संचालन के नाम पर शहर के वर्षों पुराना शासकीय बालक प्राथमिक शाला भवन के कमरों को खाली नहीं करने का मामला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. बता दें कि वर्तमान में संकुल डोंगरगांव के लिए भवन का निर्माण काफी समय पूर्व किया जा चुका है, बावजूद इसके इस भवन में संकुल केन्द्र का संचालन नहीं किया जा रहा है. बीते बारिश के चलते प्राथमिक स्कूल में छत जर्जर होने के चलते बच्चों की जान को खतरा है और कमरों में पानी भर आता है. वहीं वर्तमान में संचालित संकुल भवन प्राथमिक शाला का ही भवन है. जिसे खाली करने के लिए इस शाला के प्रधानपाठक ने सभी तरह के पत्राचार कर और मौखिक रूप से उच्च अधिकारियों से वस्तुस्थिति को अवगत कराया है और जिला मुख्यालय से इस भवन को खाली कर मूल संकुल भवन में शिफ्ट करने के लिए पत्राचार किया जा चुका है किन्तु संकुल प्राचार्य के अडियल रवैय्या के चलते आज पर्यन्त तक बच्चों के लिए कमरा उपलब्ध नहीं हो पाया है.

मिली जानकारी के अनुसार जिले से पत्र मिलने के बावजूद भवन खाली करने के बजाए डोंगरगांव संकुल व पीएमश्री शासकीय स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कूल के प्राचार्य ने एक बार फिर मामले को विवादित कर दिया है और उच्च अधिकारियों के आदेश की अवहेलना करते हुए इस पत्र को शाला प्रबंधन समिति के बैठक में रखा दिया और इस आदेश पर पुनः विचार करने जिला मुख्यालय में पत्राचार करने की बात कही जा रही है. ऐसे में आदेश का परिपालन करने के बजाए जिला मुख्यालय से आने वाले सभी पत्रों को शाला समिति में रखा जायेगा और छोटे-छोटे मामलों का बिना वजह उलझा कर रख दिया जायेगा.

परिस्थितियां नहीं, अपनी प्रतिक्रिया बदलें, मनुष्य जीवन को आत्मकल्याण से जोड़ें- साध्वी आज्ञांजनाश्रीजी म.सा.

डोंगरगांव (दावा)। नगर के श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिरजी की धर्मशाला में आयोजित नियमित धर्मसभा में साध्वी आज्ञांजनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि परमात्मा ने मनुष्य जन्म देकर हमें अनमोल खजाना प्रदान किया है. इस अमूल्य जीवन को केवल बाहरी सुख-सुविधाओं में लगाने के बजाय अंतरात्मा से जोडना चाहिए. जिस दिन व्यक्ति का जुड़ाव परमात्मा से हो जाएगा, उस दिन मोह का प्रभाव स्वत: कम होने लगेगा. म.सा. ने कहा कि संसार के सभी द्रव्य नश्वर हैं, फिर भी मनुष्य जमीन-जायदाद और छोटी-छोटी बातों को लेकर आपस में लड़ता है. कभी किसी घटना पर गर्व और प्रसन्नता होती है, तो कभी उसी प्रकार की किसी दूसरी घटना से चिंता और दुख घेर लेता है. उन्होंने कहा कि गुरु भगवंतों ने समझाया है कि संसार में कोई वस्तु अपने आप सुख या दुख देने वाली नहीं है, बल्कि हमारी अपनी मान्यताएं और प्रतिक्रियाएं ही सुख-दुख का कारण बनती हैं. जिस दिन आसपास की परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने की कला आ जाएगी, उस दिन जीवन बहुत सहज लगने लगेगा. उन्होंने जैन धर्म में बताए गए सात व्यसनों से बचने का संदेश देते हुए कहा कि व्यसन व्यक्ति को पाप और पतन की ओर ले जाते हैं. यदि व्यक्ति व्यसनों पर विजय प्राप्त कर ले तो जीवन में शांति, सम्मान और समृद्धि के मार्ग खुल सकते हैं.

कुमरदा में ऊर्जा संरक्षण रैली

डोंगरगाँव (दावा)। ग्राम कुमरदा में पद्मश्री फुलबासन बाई यादव के नेतृत्व में महिला समूह की सदस्यों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के

छात्रों द्वारा हाथ में पोस्टर बैनर तथा सोलर प्लेट लिए ग्राम में रैली निकाली गई. शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कुमरदा के रासेयो कार्यक्रम अधिकारी बसंत कुमार यादव ने बताया कि मुख्य वक्ता पद्मश्री फूलबासन बाई यादव द्वारा सौर ऊर्जा तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर के बारे में सविस्तार जानकारी दी गई तथा ग्राम के पंचायत के समीप मानव श्रृंखला बनाकर ग्रामीणों को सोलर प्लेट लगवाकर सौर ऊर्जा का उपयोग कर बिजली बचाने का आव्हान किया गया. इस अवसर पर सरपंच नूनकरन भूआर्य, धनंजय गंजीर, डी.सी.बिहान, विजय कोसमा, नवीन साहू, संस्था के प्रभारी प्राचार्य अखिल कुमार पटेल, व्याख्याता वीरेंद्र वैष्णव, ऋषि कुमार, बिहान समूह की महिलाएं, बड़ी संख्या में नागरिक तथा रासेयो के स्वयं सेवक उपस्थित रहे.

30 पौवा देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, मोटर साइकिल जब्त

गंडई-पंडरिया (दावा)। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार और आपराधिक गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गंडई थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल पर अवैध शराब का परिवहन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 30 पौवा देशी शराब और परिवहन में प्रयुक्त दोपहिया वाहन को जब्त कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार 8 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि वार्ड 14 टिकरीपारा, गंडई निवासी सुखचंद टोन्ड्रे (55 वर्ष) अपनी प्लेटिना मोटर साइकिल (क्रमांक सीजी-04/डीएक्स 1493) पर अवैध बिक्री के लिए भारी मात्रा में शराब लेकर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ठंढार रोड नहर नाली के पास घेराबंदी कर संदेही को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में रखे प्लास्टिक के थैले से 30 पौवा देशी शोले प्लेन शराब (कुल 5.400 बल्क लीटर, कीमत लगभग 2,400) बरामद की गई। शराब परिवहन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर पुलिस ने शराब और मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में ले लिया।

आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध क्रमांक 249/26 दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

साल्हेवारा पुलिस की कार्रवाई: सट्टा-पट्टी लिख रहे आरोपी शेख असलम को किया गिरफ्तार

खैरागढ़ (दावा)। साल्हेवारा जिले में आपराधिक गतिविधियों और अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में थाना साल्हेवारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से सट्टा-पट्टी लिखकर जुआ संचालित कर रहे एक आरोपी को रंगे हाथ धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के पास से सट्टा-पट्टी, पेन और नगदी रकम बरामद की है।

मुख्य बिंदु - घटना स्थल हटवारा बाजार के पास, साल्हेवारा (जिला केसीजी, खैरागढ़)। कार्रवाई का दिन शनिवार, 08 अगस्त। गिरफ्तार आरोपी शेख असलम उर्फ विक्की खान (पिता गफ्फार खान, उम्र 41 वर्ष, निवासी साल्हेवारा)। जब्ती का विवरण

पुलिस द्वारा आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से निम्नलिखित सामग्रियां सट्टा-पट्टी (अंकों के माध्यम से सट्टा खिलाने का हिसाब)। 01 नग डॉट पेन, नगदी रकम 770 रुपये जब्त की गईं। मुखबिर से प्राप्त सटीक सूचना के आधार पर थाना साल्हेवारा की टीम ने हटवारा बाजार के पास दबिश दी। आरोपी शेख असलम अंकों पर हार-जीत का दांव लगवाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा था। आरोपी के विरुद्ध थाना साल्हेवारा में अपराध क्रमांक 26/2026, छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत (ज्यूडिशियल रिमांड) में न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध जुआ और सट्टे के खिलाफ इस तरह की प्रभावी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

स्वच्छता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने भरी जागरूकता की उड़ान

तिलई स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता के साथ स्वच्छता की शपथ, मेरा युवा भारत राजनांदगांव की पहल, विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर किया सम्मानित

ठेलकाडीह (दावा)। मेरा युवा भारत, राजनांदगांव के जिला युवा अधिकारी सुभीजित डे के नेतृत्व में हायर सेकेंडरी स्कूल तिलई में शनिवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच स्वच्छता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी कला के माध्यम से स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ समाज का संदेश दिया। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छता के महत्व को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने स्वच्छता बनाए रखने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की शपथ ली। अधिकारियों एवं शिक्षकों ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित न रहकर दैनिक जीवन की आदत बननी चाहिए। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में हायर सेकेंडरी स्कूल तिलई के प्राचार्य आर.के. जोशी, तेजस्वी वर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता पखवाड़ा के उद्देश्य को सफल बनाने में सहभागिता निभाई।

पहला कॉलम...

मंडाविया ने फिट इंडिया कार्यक्रम में दिलाई नशामुक्ति की शपथ

भावनगर। भावनगर जिले के मॉडल ग्रामीण गांव हनोल में फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल का 85वां संस्करण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अगुवाई केंद्रीय युवा मामले और खेल तथा श्रम और रोज़गार मंत्री मनसुख मंडाविया ने की। मीडिया की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम नशा मुक्त भारत अभियान थीम के तहत गांव में अमृत सरोवर के पास आयोजित किया गया था। यह गांव मंडाविया का पैतृक गांव भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महीने की शुरुआत में नशीली दवाओं की लत की समस्या से निपटने के उद्देश्य से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान शुरू किया था। कार्यक्रम की शुरुआत एक डांस सेशन के साथ हुई, जिसमें लोगों ने लोकप्रिय हिंदी फ़िल्मी गानों पर डांस किया। इसके बाद मौजूद लोगों ने शानदार ढंग से गरबा किया। फिर मंडाविया ने लोगों को नशा-विरोधी शपथ दिलाई, जिसके बाद उनकी अगुवाई में समूह ने साइकिलिंग शुरू की। साइकिलिंग करने वाले दल ने हनोल गांव के हरे-भरे और सुंदर खेतों के बीच 6.2 किलोमीटर तक साइकिल चलाई। साइकिलिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए मंडाविया ने कहा कि फिट इंडिया- संडेज़ ऑन साइकिल की लोकप्रियता बढ़ी है और अब यह गांवों तक भी फैल रहा है, जिससे पीएम मोदी का फिट इंडिया कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है। संडेज़ ऑन साइकिल अब एक आंदोलन बन गया है; ग्रामीण इलाकों में भी साइकिलिंग की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह कार्यक्रम 18,000 जगहों पर आयोजित किया जा रहा है, जो इस बात का सबूत है कि लोग नशा मुक्त भारत अभियान का हिस्सा बन रहे हैं।

बसंत मेघवाल ने पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता

यूजीन। भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन में वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में 2.21 मीटर का अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। 19 साल के इस खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2.06 मीटर, 2.12 मीटर, 2.17 मीटर और आखिर में 2.21 मीटर की ऊंचाई पार करके पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। मेघवाल उन तीन एथलीटों में शामिल थे जिन्होंने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने काउंटबैक नियम के आधार पर सिल्वर मेडल जीता। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया।तीनों मेडल जीतने वाले खिलाड़ी अपनी तीन कोशिशों में 2.24 मीटर की ऊंचाई पार नहीं कर पाए। अयाची ने अपनी पहली कोशिश में ही 2.21 मीटर की ऊंचाई पार कर ली थी, जबकि मेघवाल ने दूसरी और पूल ने तीसरी कोशिश में यह कामयाबी हासिल की। मेघवाल का सिल्वर मेडल इस चैंपियनशिप में भारत का दूसरा मेडल है; इससे पहले आशीष यादव ने जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीता था।उनका प्रदर्शन एक अहम उपलब्धि थी क्योंकि उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और दुनिया के बेहतरीन युवा हाई जंपर्स में अपनी जगह बनाई।इससे पहले, भारत के आशीष यादव ने यहां वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में पुरुषों के जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीता था। वह ग्लोबल जूनियर चैंपियनशिप में इस इवेंट में पोडियम तक पहुंचने वाले नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे भारतीय बने।

चैंपियन टीम को नहीं मिली डायरेक्ट एंट्री, खेलना होगा क्वालिफायर मुकाबला

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की बढ़ी मुश्किलें 2027 वर्ल्ड कप में सीधे प्रवेश का मौका गंवाया वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के लिए मुश्किल दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दो बार की वनडे वर्ल्ड कप चैंपियन वेस्टइंडीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने में नाकाम रही है। टीम के लगातार खराब प्रदर्शन ने उसके क्रिकेट भविष्य को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। 2027 वर्ल्ड कप में सीधे जगह नहीं मिली वर्ल्ड कप क्वालीफिकेशन प्रक्रिया में सीधे प्रवेश हासिल करने के लिए टीमों को तय मानदंड और रैंकिंग के आधार पर स्थान बनाना होता है। वेस्टइंडीज इस दौड़ में पिछड़ गई और अब उसे 2027 वर्ल्ड कप में जगह बनाने के लिए अतिरिक्त क्वालीफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।-द्दह्यश ऋद्गड्डस्र - युवराज-करुण संग गोल्फ पर पृथ्वी शॉ बर्डीज का पीछा यह स्थिति उस टीम के लिए बड़ा झटका है जिसने वनडे क्रिकेट के शुरुआती दौर में विश्व क्रिकेट पर दबदबा बनाया था। दो बार की वर्ल्ड चैंपियन टीम वेस्टइंडीज ने 1975 और 1979 में लगातार दो वनडे वर्ल्ड कप खिताब जीते थे। उस दौर में टीम को दुनिया की सबसे मजबूत क्रिकेट टीमों में गिना जाता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में टीम के प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखने को मिली है। खिलाड़ियों की उपलब्धता, घरेलू क्रिकेट व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता जैसे मुद्दे टीम के लिए चुनौती बने हुए हैं।

अशिमता चालिहा ने जीता पहली BWSF वर्ल्ड टूर खिताब

कोरिया मास्टर्स 2026 के फाइनल में चीनी खिलाड़ी को दी मात

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ियों को साल 2026 में काफी शानदार प्रदर्शन अलग-अलग इवेंट में देखने को मिला है, जिसमें एक नाम अब 26 साल की अश्मिता चालिहा का भी जुड़ गया है जो कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही है। अश्मिता का यह पहला क्क्ड्ड्स्न वर्ल्ड टूर खिताब है जिसमें उन्होंने कोरिया मास्टर्स 2026 में महिला सिंगल्स के फाइनल मैच में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हान कियान शी को मात देकर जीत हासिल की। तीन सेटों तक चले इस फाइनल मैच में अश्मिता की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, जिसमें उनको पहले सेट में 14-21 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद अश्मिता ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों सेटों को अपने नाम किया और 53 मिनट के अंदर इस मुकाबले को खत्म कर दिया। कोरिया मास्टर्स 2026 में महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में अश्मिता चालिहा की शुरुआत पहले सेट में बिल्कुल भी उम्मीद के अनुसार नहीं रही, जिसमें उन्होंने आगाज तो अच्छा किया था लेकिन उसके बाद चीनी खिलाड़ी हान ने शानदार वापसी की और ये सेट 21-14 के अंतर से अपने नाम कर लिया है। दूसरे सेट की शुरुआत होने के साथ अश्मिता ने वापसी करने के साथ आक्रामक खेल दिखाया और अपने स्मैश का अच्छा इस्तेमाल करते हुए हान पर दबाव बनाया। दूसरे सेट में एक समय स्कोर 6-6 की बराबरी पर था, जिसके बाद अश्मिता ने बढ़त बनाते हुए इसे 21-14 के अंतर से जीत लिया और मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में अश्मिता ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए चीनी खिलाड़ी हान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 21-14 के अंतर से उसे भी अपने नाम करने के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।

श्रीलंका दौरे से बाहर हुए सुदर्शन की जगह कौन आएगा भारतीय टीम में?

मुंबई । श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारत को चोटों के कारण कई झटके लगे हैं। साई सुदर्शन के पहले टेस्ट से बाहर रहने की स्थिति में सरफराज खान को उनकी जगह टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं, शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और आकाश दीप की चोटों ने टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

भारतीय टीम फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रही है। टीम के कई खिलाड़ी चोटिल हैं। श्रीलंका दौरे के लिए चुने गए जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाने के बाद इस दौरे से बाहर हो गए। बुमराह की जगह आकिब नबी को शामिल किया गया, लेकिन सुदर्शन का रिप्लेसमेंट कौन होगा, इसको लेकर खूब चर्चा हो रही है। इस रेस में टीम से बाहर चल रहे सरफराज खान का नाम सबसे ऊपर है। बीसीसीआई के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई से इसका खुलासा किया है।

सरफराज ने टीम इंडिया के लिए अपना पिछला टेस्ट नवंबर 2024 में खेला था। तब टीम इंडिया अपने घर में न्यूजीलैंड से सीरीज हारी थी। तब टीम में कुछ अनबन की खबरें आई थीं और रिपोर्ट्स में सरफराज का नाम भी आया था।

हालांकि, अब सूत्रों के मुताबिक चोटिल साई सुदर्शन की जगह आगामी श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए सरफराज खान की भारतीय टीम में वापसी हो सकती है। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं।

खिलाड़ियों की इंजरी को लेकर आरोपों में घिरे वीवीएस लक्ष्मण ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठ रहे हैं। इसका कारण खिलाड़ियों की लगातार बढ़ती चोट है। जसप्रीत बुमराह, जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था, वे आखिरी मैच नहीं खेल सके थे। इसके अलावा साई सुदर्शन भी चोटिल हैं। वे श्रीलंका नहीं जा पाएंगे।

हार्दिक पांड्या लंबे समय से चोट की वजह से बाहर हैं, जिससे टीम का संतुलन भी बिगड़ रहा है। प्लेयर्स की लगातार चोट को देखते हुए सीओई की आलोचना होने लगी, जिसके हेड वीवीएस लक्ष्मण हैं। अब इस मामले पर लक्ष्मण ने चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि लोग सिर्फ ब्लेम करते हैं। पूर्व भारतीय दिग्गज का मानना है कि खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कोई भी लापरवाही नहीं बरती जाती है। सीओई को लेकर ऐसा दावा किया गया कि वे समय से पहले खिलाड़ियों को फिटनेस क्लियरेंस दिया। हालांकि, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि हम ब्लेम शब्द का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते हैं। जब आप किसी को ब्लेम कर रहे होते हैं, तो आप उसे बलि का बकरा बना रहे होते हैं। मुझे नहीं पता सब लोग क्या महसूस करते हैं और फिर ब्लेम करना शुरू कर देते हैं।÷

लक्ष्मण ने आगे कहा, ÷सीओई, मेडिकल स्टाफ और सेलेक्शन कमेटी के बीच अच्छा तालमेल है। जब सीओई से फिटनेस रिपोर्ट मांगी जाती है, तो हम सेलेक्टर्स को इसे भेजते हैं। उसकी एक कॉपी सेलेक्शन कमेटी और एक कॉपी बीसीसीआई को जाती है। सुदर्शन और बुमराह की बात है, तो उनका चयन भी फिटनेस के आधार पर किया गया था। इसका ये मतलब नहीं है कि एक खिलाड़ी को चुना गया और फिर उसे बाहर कर दिया गया। फिटनेस के आधार पर चुने जाने का मतलब यही होता है कि उस खिलाड़ी को अपनी फिटनेस अभी साबित करनी है।

गोबर धन योजना से देश का गैस आयात बिल 5 अरब डॉलर घटने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारतीय बायोगैस संघ का मानना है कि सरकार की 23,731 करोड़ रुपये की 'गोबरधन' योजना आने वाले सालों में देश के प्राकृतिक गैस आयात बिल को करीब 5 अरब डॉलर तक कम करने में मदद कर सकती है। ये योजना कृषि अवशेष, गोबर और अन्य जैविक कचरे को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने पर केंद्रित है। आईबीए के अनुसार, हाल में मंजूर की गई गोबरधन (गैल्वानाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना को केवल सरकारी खर्च के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक राष्ट्रीय निवेश के तौर पर देखा जाना चाहिए।

संघ ने कहा कि इस योजना से सबसे बड़ा आर्थिक लाभ प्राकृतिक गैस के आयात में कमी के रूप में सामने आ सकता है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस की जरूरत का करीब 50 प्रतिशत आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक परिस्थितियों का असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

आईबीए के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में एलएनजी का आयात बिल करीब 15.2 अरब डॉलर रहा था। संघ का अनुमान है कि आने वाले सालों में अगर करीब 1,500 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट पूरी क्षमता के साथ संचालित होते हैं, तो प्राकृतिक गैस आयात से जुड़े व्यापार घाटे में करीब एक-तिहाई की कमी लाई जा सकती है। इससे लगभग 5 अरब डॉलर (लगभग 40 लाख करोड़ रुपये) की बचत संभव है।

आईबीए ने कहा कि योजना से उर्वरक आयात और सरकार पर सब्सिडी के बोझ को कम करने में भी मदद मिल सकती है। वित्त वर्ष 2024-25 में उर्वरक आयात का बिल करीब 18 अरब डॉलर रहा था। आईबीए का अनुमान है कि 1,500 सीबीजी प्लांट के संचालन और बेहतर कृषि पद्धतियों को अपनाने से उर्वरक आयात में कम से कम 5 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है।

ब्रिटानिया, डाबर, हिंदुस्तान यूनिलीवर फिर बढ़ाएंगी प्रोडक्ट्स की कीमतें

नई दिल्ली। कच्चे माल की बढ़ती लागत, कमोडिटी की महंगाई और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच देश की स्न्नरूष्टत्र कंपनियां सितंबर तिमाही में अपने प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं। हालांकि, कंपनियों का मानना है कि कंज्यूमर डिमांड, प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बढ़ती हिस्सेदारी और रेवेन्यू ग्रोथ के चलते बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

एफएमसीजी कंपनियों ने जून तिमाही में भी अपने उत्पादों की कीमतों में औसतन 2 से 5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की थी। अब मौजूदा तिमाही में मुनाफे को बनाए रखने के लिए कुछ कंपनियां पैक का वजन घटाकर या चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ाने जैसे कदम उठा रही हैं। साथ ही वे महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा मानसून और अल नीनो जैसे मौसम से जुड़े जोखिमों पर भी नजर बनाए हुए हैं। बेकरी प्रोडक्ट्स बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा कि चीनी और पाम तेल की ऊंची कीमतों के कारण वो 5 रुपये और 10 रुपये वाले बिस्कुट पैक का वजन घटाकर सितंबर तिमाही में कीमतों में करीब 1.5 से 2 प्रतिशत की प्रभावी बढ़ोतरी करेगी। ब्रिटानिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ रक्षित हरगावे ने कहा, मौजूदा तिमाही में भी कीमतों से जुड़ी कुछ और कार्रवाई देखने को मिलेगी। अगर अब तक इसका प्रभाव 1 प्रतिशत रहा है, तो आगे इसमें करीब 1.5 से 2 प्रतिशत और जुड़ सकता है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड मौजूदा तिमाही में भी कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि, कंपनी फिलहाल कमोडिटी की कीमतों का रुख स्पष्ट होने तक कोई बड़ा फैसला नहीं लेना चाहती। कंपनी के सीईओ सुधीर सीतापति ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के कारण कंपनी ने अब तक बड़े प्राइस हाइक से परहेज किया है।

पुरंदर मिश्रा ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

रायपुर। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में विधायक पुरंदर मिश्रा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को रायपुर में आयोजित होने वाले नुआखाई पर्व में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया. इस दौरान भाजपा विधायक ने राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं, सामाजिक समरसता और नुआखाई पर्व के सांस्कृतिक महत्व से भी अवगत कराया। विधायक पुरंदर मिश्रा बताया कि नुआखाई केवल एक पर्व नहीं, बल्कि नई फसल, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पारिवारिक एकजुटता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है. भगवान श्री जगन्नाथ की पावन परंपरा से जुड़े इस आयोजन का छत्तीसगढ़ में विशेष सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व है.

ज्योतिष चमत्कार (10 अगस्त 2026)

कल्याण				
सोम	6	7	8	9
	62	74	81	95
मंगल	7	8	9	0
	73	82	93	01
बुध	8	9	0	1
	84	92	02	19
गुरू	9	0	1	2
	91	03	18	26
शुक्र	0	1	2	3
	04	17	28	39
शनि	Independence Day			
अंकों का बादशाह	1			
सप्ताह का वरदान	2			
सप्ताह में अचूक	3	5	6	7
स्पेशल	43	85	96	07

राजधानी नाईट				
सोम	1	2	3	4
	15	21	35	41
मंगल	2	3	4	5
	23	34	42	54
बुध	3	4	5	6
	32	43	53	67
गुरू	4	5	6	7
	45	52	68	79
शुक्र	5	6	7	8
	51	69	78	86
अंकों का बादशाह	0			
सप्ताह का वरदान	7			
सप्ताह में अचूक	1	2	5	6
स्पेशल	31	42	85	96

सप्ताह में देखें (कल्याण)

1	17	18	19	10
2	26	28	29	20
3	36	37	39	30
4	46	47	48	40
5	56	57	58	59
6	62	63	64	65
7	71	73	74	75
8	81	82	84	85
9	91	92	93	95
0	01	02	03	04

सप्ताह में देखें (राजधानी नाईट)

1	12	13	14	15
2	21	23	24	25
3	31	32	34	35
4	41	42	43	45
5	51	52	53	54
6	67	68	69	60
7	76	78	79	70
8	86	87	89	80
9	96	97	98	90
0	06	07	08	09

अंक आपके पत्ते हमारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड

कल्याण					
74	01	14	45	81	62
31	31	78	00	04	74
26	26	45	28	23	32
99	65	66	89	59	67

राजधानी				
41	47	18	90	63
96	64	60	81	78
60	42	62	47	70
90	85	42	09	05

जनवरी 2025 से अगस्त 2026 तक के रूके जोड़भाव-पेनल

कल्याण 2024-25 -22-86
2026-10-22-29-40-41-43-44-47-60-61-73-84-85-86-87-05-07-09
1-227-777 2-499-688-444-3-166-4-400-888 5-122 -799-555, 6-466-222 7- 999 8-440-666 9-333 0-118-668-000

राजधानी नाईट 2024- -88 2025- -24-49-88-99
2026-10-13-14-17-24-26-31-32-40-44-49-51-54-57-61-72-74-75-88-91-94-99-07-00
1-146-777, 2-660-444,3-166 -111, 4-112-888, 5-366-447-555 6-222, 7-700-999, 8-288-666, 9-117-577- 333, 0-668-000

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

प्रथम पृष्ठ का शेष....

16 दिन के छात्र आंदोलन के बाद झुकी झारखंड सरकार.....

की वजह से ही है कि उन्हें आगे आने, प्रदर्शन करने और अपना हक मांगने का साहस मिला है, क्योंकि हमने ही गड़बड़ी को उजागर किया है। युवाओं को न्याय मिलेगा, और गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों को कठोरतम सजा दी जाएगी... इस मामले को राजनीतिक चश्मे से देखने या राजनीतिक संरक्षण की तलाश करने की कोई जरूरत नहीं है।

0 विपक्षी दलों पर सोरेन का तीखा हमलाः झारखंड के मुख्यमंत्री ने आगे विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वे युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोगों की बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं होती हैं, और यही महत्वाकांक्षाएं राजनीतिक दलों के लिए युवा पीढ़ी को गुमराह करने का रास्ता बनाती हैं। मैं युवाओं से खासतौर पर यह कहना चाहूंगा कि उन्हें हमारे या किसी अन्य राजनीतिक दल के संरक्षण की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अपना हक और न्याय पाना आपका अधिकार है... देश भर में राजनीतिक दल इस समय युवाओं पर अलग-अलग तरीकों से नजर गड़ाए हुए हैं और यह रणनीति बना रहे हैं कि सच को झूठ के साथ मिलाकर उन्हें कैसे गुमराह किया जाए। यह काम बड़े पैमाने पर चल रहा है, जिसमें बेहद पढ़े-लिखे और जानकार लोग भी शामिल हैं।

0 छात्रों के समर्थन में एमएलए जयराम महतो अनशन पर बैठे : झारखंड में JPSC और JSSC समेत प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र पिछले 16 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों की मांगों पर सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकलने के बाद आंदोलन और तेज होता नजर आ रहा है। इसी क्रम में डुमरी विधायक और JLKM नेता जयराम महतो ने छात्रों के समर्थन में विधानसभा परिसर के बाहर एकदिवसीय निर्जला अनशन शुरू किया है। उन्होंने साफ किया कि अनशन के दौरान वह पानी भी नहीं पिएंगे।

ट्रंप मेरे अच्छे दोस्तः गाजा योजना को.....

हैं और ईरान के विरुद्ध अमेरिका-इजरायल के बीच साझेदारी काबिल-ए-तारीफ रही, फिर भी वो इस मामले को लेकर अपने रुख पर कायम हैं। उन्होंने दोहराया कि उनके रहते कभी भी ईरान परमाणु हथियार संपन्न नहीं हो पाएगा। इस्राइल के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे नेतन्याहू पर उनके कट्टरपंथी दक्षिणपंथी सहयोगियों की ओर से नई मंत्रिमंडल बैठक बुलाने और गाजा योजना को खत्म करने का दबाव भी है।

सर्वेक्षणों के अनुसार, नेतन्याहू सत्ता में बने रहने के लिए कड़े मुकाबले में हैं। नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल अपनी आपत्तियों को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, उनके पास कुछ विचार हैं। उनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं हैं। हम जानते हैं कि इन मुद्दों पर अपने रुख पर कैसे कायम रहना है।

जेन जी को गुमराह किया गया, पद.....

नवीन पटनायक पर अपने खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में युवाओं को शामिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, नवीन बाबू मुझे ओडिशा के लोगों के लिए शर्म की बात और एक बुरा इंसान भी कहते हैं। प्रधान ने सवाल किया कि क्या उन्होंने कभी ऐसा कोई काम किया है, जिससे ओडिशा के लोगों को शर्मिंदा होना पड़े। उन्होंने कहा, हो सकता है कि मैं राज्य का नाम रोशन न कर रहा होऊं, लेकिन मैंने अपने काम से कभी भी लोगों को शर्मिंदा नहीं किया है। मैं कभी ऐसा कोई काम नहीं करूंगा जिससे राज्य की बदनामी हो। प्रधान ने कहा कि भगवान जगन्नाथ और संबलपुर की आराध्य देवी मां समलेश्वरी के आशीर्वाद से वह 12 साल पहले केंद्रीय मंत्री बने थे। नवीन पटनायक के खिलाफ प्रधान की यह टिप्पणी उस मंच से आई, जहां बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा में उपनेता प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे। प्रधान ने कहा कि बीजेडी के विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने प्रसन्ना आचार्य से सलाह ली थी कि उन्हें कार्यक्रम में जाना चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा, प्रसन्ना भाई ने मुझे आने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि मेरा स्वागत किया जाएगा। मैं उनकी इजाजत लेकर ही यहां आया हूं।

छत्तीसगढ़ में आफत की बारिश, रायपुर....

हुई है। वहीं IMD ने आज राजनांदगांव, बालोद, दुर्ग, रायपुर, गरियाबंद, रायगढ़, कबीरधाम, मुंगेली, महासमुंद और बेमेतरा जिलों के अलग-अलग स्थानों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, यहां गरज चमक के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं बिलासपुर, धमतरी, कांकेर, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर, सरगुजा, गौरेला पेंड्रा मरवाही, कोरबा, जांजगीर चांपा, बलौदा बाजार, नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और कोरिया जिलों के अलग-अलग स्थानों पर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कई जिलों में मेघगर्जन के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की गई है।

अगले 3 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट : मौसम विभाग के मुताबिक आज से अगले 3 दिनों तक प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहेगा। IMD ने 12 अगस्त तक बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यहां तेज बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने को लेकर अलर्ट जारी किया है।

बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र : विभाग के अनुसार मानसून द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति में बनी हुई है, जबकि बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब का क्षेत्र सक्रिय है। इसके प्रभाव से प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात और भारी वर्षा की भी संभावना है। भारी वर्षा का प्रभाव मुख्यतः सरगुजा संभाग और बिलासपुर संभाग के जिलों में रहने का अनुमान है।

ममता के काफिले पर हमला....

उनकी कल संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों ने पुलिस पर बेरहमी से पीटने और प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था। मृतक के परिवार का आरोप है कि शुक्रवार रात पुलिस उन्हें गिरफ्तार करके ले गई थी। परिवार का दावा है कि पुलिस लॉकअप में उन्हें बुरी तरह पीटा गया। अगले दिन वह पुलिस लॉकअप में अचेत अवस्था में मिले थे। मृतक की पत्नी का दावा है कि वह रात में अपने पति से मिलकर आई थीं और उस समय वह ठीक थे। उन्होंने सवाल उठाया कि फिर सुबह उनके पति की मौत की खबर कैसे आई। पत्नी का आरोप है कि उनके पति के साथ पुलिस हिरासत में मारपीट की गई थी। मृतक की पत्नी ने यह भी दावा किया कि उनके पति के शरीर पर चोट और खून के गहरे निशान थे। उनका आरोप है कि उन्हें रस्सी से बांधकर पीटा गया था। गौर करने वाली बात यह है कि जब से बंगाल में सत्ता परिवर्तन हुआ है, तब से टीएमसी नेताओं को निशान बनाया जा रहा है। टीएमसी सांसदों और विधायकों के बाद अब टीएमसी प्रमुख को निशाना बनाया गया है, जिस दौरान यह हमला हुआ, ममता बनर्जी के साथ पार्टी के अन्य सांसद भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संत रविदास यात्रा पहल का भाजपा नेत्री वंदना टाडेकर ने किया स्वागत, जताया आभार

10 सदस्यीय जिला टोली में मिली अहम जिम्मेदारी, समरसता संकल्प अभियान के तहत आठें मंडलों में निकलेगी कलश यात्रा

खैरागढ़ (दावा)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई संत रविदास यात्रा का भाजपा नेत्री एवं जिला सह-संयोजक वंदना टांडेकर ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह पहल सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे को नई मजबूती देने वाली ऐतिहासिक पहल है। वंदना टांडेकर ने कहा कि संत रविदास ने अपने जीवन और विचारों से समाज को समानता, मानवता और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार महापुरुषों के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और उनकी विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही है। संत रविदास यात्रा उसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है जिससे समाज के सभी वर्ग उनके विचारों से प्रेरित होंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संत रविदास यात्रा केवल धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और सद्भाव का जनआंदोलन है,जो प्रदेश में आपसी भाईचारे को और अधिक मजबूत करेगा।

इस अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 10 सदस्यीय टोली का गठन किया गया है, जिसमें भाजपा नेत्री वंदना टांडेकर को जिला सह-संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही प्रदेश के सभी 36 जिलों से कलश ग्रहण करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजा गया था।। खैरागढ़ जिले से भी भाजपा पदाधिकारियों एवं टोली के सदस्यों ने सहभागिता निभाई जिसमें जिला सह-संयोजक वंदना टांडेकर की सक्रिय भूमिका रही। प्राप्त कलश को अब जिले के आठों मंडलों में पहुंचाया जाएगा।

प्रत्येक मंडल में संत शिरोमणि गुरु रविदास के चित्र के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा कलश वंदन अभियान एवं ''समरसता संकल्प अभियान'' के तहत आयोजित होगी, जिसके माध्यम से संत रविदास जी के समता, सामाजिक न्याय और भाईचारे के संदेश को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। वंदना टांडेकर ने कहा कि केंद्र की सरकार नरेन्द्र और प्रदेश सरकार की यह पहल सामाजिक समरसता को नई दिशा देने वाली है और सभी नागरिकों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की।

अज़ीज़ इंटर-स्कूल फुटबॉल कप 2.0 का खिताब युगांतर पब्लिक स्कूल के नाम

राजनांदगांव (दावा)। अज़ीज़ पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में आयोजित अज़ीज़ इंटर-स्कूल फ़ुटबॉल कप 2.0 का रोमांचक समापन हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में युगांतर पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गायत्री विद्यापीठ को 2-1 से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबला युगांतर पब्लिक स्कूल और गायत्री विद्यापीठ के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे मैच में बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। युगांतर पब्लिक स्कूल ने मुकाबले में शानदार तालमेल के साथ खेलते हुए दो गोल किए और अपनी बढ़त को अंत तक बरकरार रखा। निर्धारित समय की समाप्ति पर स्कोर 2-1रहा। समापन समारोह में बीकेपी भिलाई के कोच एवं पूर्व फुटबॉलर श्री शकुन बिस्वास तथा भारत की अंडर-23 राष्ट्रीय टीम के संभावित खिलाड़ियों के कैंप के लिए बुलाए गए श्री प्रतीक कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेलों में मेहनत, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अज़ीज़ पब्लिक स्कूल के प्राचार्य श्री सचिन पाल सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान श्रीवर्धन सिंह राजपूत, सूर्यांश सिंह, रयान खान एवं राज पटेल ने रेफरी की भूमिका निभाई। पहले दिन भी दिखा खिलाड़ियों का दमखम, प्रतियोगिता के पहले दिन चार रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में नीरज विद्या मंदिर ने वेस्लीयन इंग्लिश मीडियम स्कूल को हराया। दूसरे मुकाबले में नीरज पब्लिक स्कूल ने नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल पर जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में युगांतर पब्लिक स्कूल ने नीरज विद्या मंदिर को पराजित किया। वहीं चौथे मुकाबले में नीरज पब्लिक स्कूल ने मेजबान अज़ीज़ पब्लिक स्कूल को हराया। प्रतियोगिता में कुल 10 स्कूलों ने भाग लिया। इनमें रॉयल किड्स कॉन्वेंट, युगांतर पब्लिक स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, विडेनर मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नीरज पब्लिक स्कूल, जेएलएम गायत्री विद्यापीठ (सीबीएसई), अज़ीज़ पब्लिक स्कूल, वेस्लीयन इंग्लिश मीडियम स्कूल, नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल और नीरज विद्या मंदिर, डोंगरगांव शामिल रहे। आयोजन को सफल बनाने में अज़ीज़ पब्लिक स्कूल के स्पोर्ट्स विभाग का विशेष योगदान रहा। स्पोर्ट्स विभाग की टीम में श्री आयुष वैष्णव, मिस मेघा तुमरेकी एवं खोमेंद्र साहू ने प्रतियोगिता के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अज़ीज़ इंटर-स्कूल फुटबॉल कप 2.0 के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों को अपनी फुटबॉल प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का अनुभव प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के सफल आयोजन ने राजनांदगांव में स्कूली फुटबॉल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल प्रस्तुत की।

इंटर्न डॉक्टरों के आंदोलन को राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवेदी का समर्थन

15900 रू. स्टाइपेंड बढ़ाकर 30 हजार करने की मांग को बताया जायज

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव के जूनियर डॉक्टरों एवं इंटर्न छात्रों द्वारा स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले चार दिनों से काम बंद कर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। आंदोलनरत डॉक्टरों की मांग है कि वर्तमान में मिल रहे 15900 मासिक स्टाइपेंड को बढ़ाकर 30,000 प्रतिमाह किया जाए। आंदोलन को भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव निखिल द्विवेदी ने अपना समर्थन दिया। उन्होंने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों एवं इंटर्न छात्रों से मुलाकात की और उनकी मांगों को सुना। इस दौरान निखिल द्विवेदी ने कहा कि इंटर्न डॉक्टर अस्पतालों में मरीजों की सेवा और चिकित्सा व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद अस्पतालों में नियमित रूप से कार्य करने वाले इन युवा चिकित्सकों को मिलने वाला 15900 का स्टाइपेंड उनकी जिम्मेदारियों और वर्तमान महंगाई के हिसाब से बेहद कम है। उन्होंने कहा कि जब युवा डॉक्टर दिन-रात मरीजों की सेवा में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं, तो उनके मेहनत और समय का उचित सम्मान भी होना चाहिए। 30,000 मासिक स्टाइपेंड की मांग पूरी तरह जायज है और सरकार को इस मामले में संवेदनशीलता के साथ तत्काल निर्णय लेना चाहिए। निखिल द्विवेदी ने कहा कि सरकार को आंदोलन को दबाने के बजाय आंदोलनरत डॉक्टरों से संवाद कर उनकी मांगों का समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा डॉक्टरों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई में भारतीय युवा कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। उन्होंने शासन एवं प्रशासन से मांग की कि त्रस्ट राजनांदगांव के इंटर्न डॉक्टरों की मांग पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेते हुए स्टाइपेंड 15900 से बढ़ाकर 30,000 प्रतिमाह किया जाए, ताकि आंदोलन समाप्त हो और चिकित्सा सेवाएं भी सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

ग्राम पंचायत आरगांव में सीसी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन

तुमडीबोड़ (दावा)। डोंगरगांव जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत आरगांव में ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्या के समाधान हेतु सीसी नाली निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। जनपद पंचायत निधि से स्वीकृत इस निकासी नाली के बनने से गांव में बारिश और घरों से निकलने वाले पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सकेगी, जिससे ग्रामीणों को जलभराव से मुक्ति मिलेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मदन साहू, ग्राम पंचायत सरपंच लिकेश गंधर्व, उपसरपंच तुलेश्वर साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

5 हजार के इनामी फरार आरोपी नंदकिशोर उर्फ नीतू को पुलिस ने किया गिरफ्तार

साइबर सेल एवं पुलिस चौकी मोहारा की संयुक्त कार्रवाई में 3 माह से फरार आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

राजनांदगांव (दावा)। 9 पेटी (81 बल्क लीटर) अवैध शराब जब्ती के प्रकरण में 3 महिने से फरार चल रहा आरोपी नंद किशोर उर्फ नीतू उर्फ छोटे कट्टी अंततः पुलिस के हत्थे चढ़ ही गया। सायबर सेल व मोहारा चौकी पुलिस के संयुक्त कार्रवाई मे वह गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जाता है कि तकनीकी साक्ष्य एवं साइबर सेल की मदद से आरोपी को अभिरक्षा में लेकर वैधानिक कार्रवाई की गई हैं।

आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया गया है वहीं अन्य, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अभियान लगातार जारी है। बताया जाता है कि गत 7 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस चौकी मोहारा की टीम ने कोटरीछापर रोड स्थित मुढिया नाला के पास दबिश देकर मध्यप्रदेश निर्मित गोवा व्हिस्की की 9 पेटी (450 पौवा), कुल 81 बल्क लीटर, कीमत 60,750 एवं एक ओला ईवी स्कूटी सहित कुल रु. 1,10,750 मूल्य की संपत्ति जब्त की थी। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था, जबकि मुख्य आरोपी नंदकिशोर वर्मा उर्फ नीतू मौके से फरार हो गया था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा रु. 5,000 का इनाम घोषित किया गया था तथा जिला स्तर पर उसका इस्तेहार भी जारी किया गया था। लगातार तकनीकी निगरानी, मुखबिर सूचना एवं साइबर सेल के सहयोग से पुलिस ने शनिवार 8 अगस्त 2026 को आरोपी को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार (सीजी-04 एलजी 9461) को महाराष्ट्र में बेच दिए जाने की जानकारी दी। वहीं आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन जब्त किया गया है। वाहन की बरामदगी के संबंध में आगे की विवेचना जारी है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया है।

जन संवाद में बदलाव की बयार, 2028 में छत्तीसगढ़ और 2029 में केंद्र में कांग्रेस सरकार बनाने का संकल्प - विष्णु लोधी

स्मार्ट मीटर हटाओ, बिजली दर घटाओ, महंगी खाद कम करो और किसानों को राहत दो मुरमुंदा के जन संवाद में उठी बुलंद आवाज़ - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (दावा)। विकासखंड अंतर्गत डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मुरमुंदा में आयोजित जन संवाद के दौरान सचिव, जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव (ग्रामीण) विष्णु लोधी ने किसानों एवं ग्रामीणजनों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और मांगों को विस्तार से सुना।

जन संवाद के दौरान किसानों एवं ग्रामीणों ने क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए खोलार घाट बांध की कैनाल में लाइनिंग कराने की मांग प्रमुखता से रखी। किसानों का कहना था कि कैनाल में लाइनिंग होने से पानी का रिसाव कम होगा और सिंचाई के लिए उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग हो सकेगा, जिससे कृषि भूमि को अधिक प्रभावी ढंग से सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

ग्रामीणों ने मुरमुंदा से मेरे गांव मार्ग पर सड़क एवं पुल निर्माण की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि सड़क और पुल की बेहतर सुविधा नहीं होने के कारण आवागमन में परेशानी होती है, विशेषकर बरसात के दिनों में किसानों, विद्यार्थियों और आम ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही ग्रामीणों ने मुरमुंदा में कॉलेज की स्थापना की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना था कि स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा की सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को दूर नहीं जाना पड़ेगा और गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी।

जन संवाद के दौरान किसानों ने स्मार्ट मीटर हटाने और बढ़ी हुई बिजली दरों को वापस लेने की मांग भी प्रमुखता से रखी। ग्रामीणों ने कहा कि बढ़े हुए बिजली बिलों से गरीब, किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

विष्णु लोधी ने कहा कि सरकार को जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने के बजाय उनकी शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण करना चाहिए। यदि स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिल आम परिवारों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं, तो सरकार को तत्काल समीक्षा कर राहत देने की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

किसानों ने खाद की कीमतें कम करने और समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। किसानों का कहना था कि खाद, बीज, डीजल और अन्य कृषि सामग्री की बढ़ती लागत से खेती करना लगातार महंगा होता जा रहा है। खाद की किल्लत के कारण किसानों को समय पर फसल की तैयारी करने में भी परेशानी होती है।

जन संवाद में मुरमुंदा के किसानों ने उठाई खोलार घाट बांध की कैनाल में लाइनिंग, कॉलेज और सड़क - पुल की मांग तेज - विष्णु लोधी

विष्णु लोधी ने कहा कि किसान को समय पर खाद नहीं मिलेगी और उसकी खेती की लागत लगातार बढ़ती जाएगी तो किसान की आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत होगी? सरकार को किसानों के हित में खाद की कीमतों को नियंत्रित करने, पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने और समय पर वितरण की व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

जन संवाद के दौरान किसानों ने सरकार से ?3,286 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित करने तथा पिछले दो वर्षों में समर्थन मूल्य में हुई वृद्धि की राशि किसानों को उपलब्ध कराने की मांग भी दोहराई।

विष्णु लोधी ने कहा कि किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए। बढ़ती कृषि लागत के बीच किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य और समर्थन मूल्य में हुई वृद्धि की देय राशि समय पर मिलना आवश्यक है। किसानों की आर्थिक मजबूती के बिना ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती।

विष्णु लोधी ने कहा कि जन संवाद के दौरान सामने आई समस्याएं केवल मुरमुंदा की समस्याएं नहीं हैं, बल्कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त चुनौतियों की तस्वीर हैं। सिंचाई, सड़क, पुल, शिक्षा, बिजली और कृषि से जुड़े मुद्दों पर सरकार को ठोस एवं समयबद्ध कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जन संवाद का उद्देश्य केवल समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि गांव-गांव की आवाज़ को संगठित कर शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाना और उनके समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करना है।

विष्णु लोधी ने कहा कि 2028 में छत्तीसगढ़ और 2029 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनाने के संकल्प के साथ गांव-गांव जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझना आवश्यक है। किसान, मजदूर, युवा, महिलाएं और ग्रामीण जनता के मुद्दे ही आने वाले समय की राजनीति का केंद्र होंगे। इस अवसर पर खेमचंद सोरी, भागचंद सिन्हा, विजय कंवर, विनोद रात्रे, मन्नू पटेल, घाना साहू, मनोज यादव, गुमान कुर्मी, छन्नु साहू, मदन चौधरी, व्यास कदम सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अंत में विष्णु लोधी ने ग्राम मुरमुंदा के सभी ग्रामीणों का आत्मीय स्वागत, स्नेह एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जन संवाद अभियान लगातार जारी रहेगा और जनता की प्रत्येक न्यायोचित मांग को पूरी मजबूती के साथ उठाया जाएगा।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा की तत्परता से हुई जान-माल की सुरक्षा

राजनांदगांव (दावा)। जिला अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा नगर सेना राजनांदगांव सदैव नागरिकों की सुरक्षा एवं आपदा के समय त्वरित सहायता के लिए तत्पर रहती है। किसी भी आगजनी अथवा आपातकालीन सूचना पर प्रशिक्षित टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करती है। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी श्री एके सिंह ने बताया कि ग्राम मोहंदी स्थित जया केमिकल व जालबांधा केमिकल प्लांट, कोरिनभाठा राजनांदगांव स्थित अंशदीप इलेक्ट्रानिक एवं फर्नीचर शोरूम, दादा बस सर्विस कंपनी के 5 बस, ग्राम बांकल में मालगाड़ी में कोयला बोगी में आग, ग्राम बुद्धफरदा स्थित रामदेव रिफायनरी प्लांट, ग्राम पार्रीकला में अग्रवाल राईस मिल में आगजनी की सूचना पर विभाग की प्रशिक्षित टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर आधुनिक अग्निशमन उपकरणों की सहायता से आग पर शीघ्र नियंत्रण स्थापित किया। समय पर की गई कार्रवाई से आग को आसपास के क्षेत्रों में फैलने से रोका गया।

इसी तरह अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग द्वारा आग बुझाने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, भवनों में फंसे लोगों के सुरक्षित रेसक्यू तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में भी प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य करती है। मोहारा स्थित वाटर फिल्टर प्लांट में क्लोरिन गैस रिसाव की गंभीर घटना होने की सूचना मिलने पर फायर की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। गैस लगभग 100 से 200 मीटर के क्षेत्र में फैलने लगी। जिससे कर्मचारियों एवं आसपास के क्षेत्र में खतरे की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। टीम द्वारा स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल फायर स्टेशन प्रभारी के नेतृत्व में सावधानी एवं तकनीकी दक्षता के साथ गैस रिसाव वाले क्षेत्र में प्रवेश किया। टीम ने रिसाव के स्रोत की पहचान कर तकनीकी उपायों से क्लोरिन गैस के रिसाव को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर पूरी तरह बंद किया गया।

ज्ञानेश्वरी यादव ने रानीसागर शनिदेव मंदिर में टेका माथा

राजनंदगांव (दावा)। राष्ट्रमंडल खेल (कॉमनवेल्थ गेम्स) 2026 में भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और नगर का नाम रोशन करने वाली प्रतिभावान खिलाड़ी ज्ञानेश्वरी यादव ने स्थानीय शनिदेव धाम, रानीसागर पहुँचकर पूजा-अर्चना की और भगवान शनिदेव का आशीर्वाद लिया। ज्ञानेश्वरी यादव अपने माता-पिता और भाई के साथ मंदिर पहुँची थीं। इस अवसर पर शनिदेव धाम परिवार की ओर से उनका आत्मीय स्वागत किया गया और उनकी इस ऐतिहासिक सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर ज्ञानेश्वरी यादव ने न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से शहरवासियों और खेल जगत में खुशी की लहर है। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के मार्गदर्शन, प्रशिक्षकों की मेहनत और ईश्वर के आशीर्वाद को दिया।

एलिगेंट कॉमर्स एंड आईटी कॉलेज द्वारा आयोजित शतरंज प्रतियोगिता उद्घाटित

राजनांदगांव (दावा)। एलिगेंट कॉमर्स एंड आईटी कॉलेज एवं एन.आर.सी.ए राजनांदगांव द्वारा दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में आज राज्य स्तरीय जूनियर ओपन शतरंज प्रतियोगिता का उद्घाटन महापौर मधुसूदन यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ संपादक सुशील कोठारी, दिग्विजय स्टेडियम समिति के सचिव रमेश पटेल, नगर निगम राजस्व प्रभारी पार्षद राजा माखीजा, स्टेडियम समिति के सहसचिव योगेश बागड़ी उपस्थित थे।

अतिथियों का स्वागत एलिगेंट कॉमर्स एंड आईटी कॉलेज के अध्यक्ष राजेश खंडेलवाल, सचिव राजेश गुप्ता, उपाध्यक्षद्वय अरुण खंडेलवाल, सुदेश चौरसिया, प्राचार्य अशोक जोशी, मुख्य आयोजक रामदास पाल द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है, इसमें 75 के लगभग बालिका खिलाड़ी हैं।

मुख्य अतिथि मधुसूदन यादव ने राजनांदगांव की खेल उपलब्धियों विशेष कर बालिकाओं को अवगत कराया है की किस तरह राजनांदगांव की महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर राजनांदगांव का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता का समापन 9 अगस्त रविवार को किया जावेगा। समारोह में बड़ी संख्या में प्रतिभागी एवं अभिभावक उपस्थित थे। प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन महापौर मधुसूदन यादव एवं सुशील कोठारी ने शतरंज की कुछ चालों को खेल कर किया।

उद्घाटन अवसर पर विशिष्ट अतिथि सुशील कोठारी ने प्रतिभागी बालक एवं बालिका खिलाड़ियों को शतरंज कि इस प्रतियोगिता से व्यक्तिगत अपने प्रदर्शन को और बेहतर कर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं प्रेषित की है। समारोह का संचालन एवं आभार प्रदर्शन योगेश बागड़ी ने किया।

राजनांदगांव को 43 करोड़ 61 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

15 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से बनेगा प्रदेश का सबसे बड़ा 2000 सीटर ऑडिटोरियम

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने आज राजनांदगांव शहर में 43 करोड़ 61 लाख 26 हजार रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 15 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से प्रदेश के सबसे बड़े 2000 सीटर ऑडिटोरियम का निर्माण प्रमुख रूप से शामिल है। इसके साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, विद्युतीकरण, पेयजल, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन सहित विभिन्न अधोसंरचना विकास कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत 15वें वित्त आयोग अनटाइड ग्रांट से 12 करोड़ 9 लाख 44 हजार रूपए की लागत से विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली एवं विद्युतीकरण के कार्य किए जाएंगे। अधोसंरचना मद से 11 करोड़ 57 लाख रूपए की लागत से सड़क, नाली, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य होंगे। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत 1 करोड़ रूपए की लागत से 4 वार्डों में सड़क, नाली एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य तथा 15वें वित्त आयोग टाइड ग्रांट के पेयजल प्रबंधन घटक से 3 करोड़ 2 लाख 82 हजार रूपए की लागत से विभिन्न वार्डों में पाइपलाइन विस्तार कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर 1000 पौधों का वितरण किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव में बनने वाला 2000 सीटर ऑडिटोरियम शहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि ऑडिटोरियम में बड़े आयोजनों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही पार्किंग, कॉरिडोर तथा लगभग एक हजार लोगों के एक साथ बैठकर भोजन करने की व्यवस्था भी होगी। यह ऑडिटोरियम राजनांदगांव सहित आसपास के नगरीय क्षेत्रों के लिए भी बड़े आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, सीसी रोड, इंटरलॉकिंग, प्रकाश व्यवस्था और पाइपलाइन विस्तार सहित 43 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राजनांदगांव के सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है। जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी जा रही मांगों और प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति प्रदान की जा रही है। विधानसभा

अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नगर निगम क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त 10 एमएलडी जल शोधन संयंत्र की स्थापना की आवश्यकता बताई।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि आज राजनांदगांव शहर के लिए ऐतिहासिक दिन है। शहर को 43 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पिछले दो वर्षों में राजनांदगांव नगर निगम को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 267 करोड़ रूपए की राशि विकास कार्यों के लिए प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राजनांदगांववासियों से शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक और नगर निगम मिलकर प्रयास करें तो राजनांदगांव स्वच्छता के क्षेत्र में देश में पहला स्थान प्राप्त कर सकता है।

उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने राजनांदगांव शहर के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गांधी चौक, पोस्ट ऑफिस चौक, नंदई चौक सहित अन्य प्रमुख चौकों के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 3 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। उन्होंने रानी सागर एवं बूढ़ा सागर तालाब के पुनर्विकास के लिए 14 करोड़ रूपए की योजना तैयार किए जाने की जानकारी दी। जीई रोड से लखोली कबाड़ी दुकान तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 6 करोड़ 85 लाख रूपए, आरके नगर चौक से डोंगरगांव रोड तक सड़क निर्माण के लिए 6 करोड़ 90 लाख रूपए तथा बायपास कन्हारपुरी से तिरंगा चौक तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 5 करोड़ 50 लाख रूपए की स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने की बात कही। इसी प्रकार मोहारा जल संयंत्र के री-मरम्मत कार्य के लिए 4 करोड़ रूपए तथा ढाबा, गौरीनगर और गोकुलनगर में ओवरहेड टैंक निर्माण के लिए 12 करोड़ 61 लाख रूपए की स्वीकृति शीघ्र प्रदान किए जाने की जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि विकास के साथ स्वच्छता भी शहर की पहचान का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखें, कचरा नालियों और सड़कों पर न डालें तथा नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से राजनांदगांव को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में पहला स्थान दिलाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि राजनांदगांव शहर के विकास के लिए 43 करोड़ 61 लाख 26 हजार रूपए की लागत से विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने बताया कि राजनांदगांव शहर में 800 सीटर का ऑडिटोरियम उपलब्ध है। इसके साथ ही 15 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से 2000 सीटर का ऑडिटोरियम के लिए भूमिपूजन किया गया है। इस ऑडिटोरियम के बनने से भविष्य में बड़े आयोजन के लिए व्यवस्थित स्थल मिलेगा। राजनांदगांव शहर के सभी 51 वार्डों के संतुलित विकास को दृष्टिगत रखते हुए 15वें वित्त आयोग से 12 करोड़ रूपए एवं 3 करोड़ रूपए, मुख्यमंत्री की घोषणा अंतर्गत वाटर सप्लाई के लिए 1 करोड़ रूपए, अधोसंरचना के लिए 11 करोड़ 57 लाख रूपए के विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किया गया है।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि शासन द्वारा राजनांदगांव शहर के विकास कार्यों के लिए 43 करोड़ 61 लाख 26 हजार रूपए की सौगात दी गई है। नगर निगम राजनांदगांव अंतर्गत नालंदा परिसर सहित अन्य विकास कार्य किए जा रहे है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जिले के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा परमालकसा से खरसिया तक नई रेल लाईन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही चौथी रेल लाईन भी चालू हो गया है। राजनांदगांव एवं डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन को मॉडल एवं अमृत रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। गौरीनगर एवं स्टेशन पारा के अंडरब्रिज का निर्माण कार्य दिसम्बर तक पूर्ण हो जाएगा। इसके साथ ही मोतीपुर अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा।

100 के ऑनलाइन रिचार्ज के नाम पर रु. 95 हजार की ठगी, डोंगरगढ़ का मामला

राजनांदगांव/डोंगरगढ़ (दावा)। साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। नया मामला डोंगरगढ़ का है, जहाँ एक व्यक्ति को मोबाइल ऐप पर महज रु. 100 का रिचार्ज करना बेहद महंगा पड़ गया। रिचार्ज के कुछ ही समय बाद पीड़ित के बैंक खाते से अज्ञात ठगों ने रु. 95,000 पार कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फोन पर आया ऑफर, खाते से कटे रु. 95 हजार

मिली जानकारी के अनुसार डोंगरगढ़ के मिस्त्री पाड़ा (वार्ड नं. 09) निवासी मनोज कुमार इंदुरकर (53 वर्ष) के पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने एक मोबाइल ऐप पर महज रु. 100 में रिचार्ज करने का आकर्षक ऑफर दिया। मनोज पहले से भी उक्त ऐप का उपयोग करते आ रहे थे। झांसे में आकर उन्होंने 4 अगस्त की दोपहर लगभग 3.15 बजे फोनपे के माध्यम से रु. 100 का रिचार्ज कर दिया।

अज्ञात नंबर से कॉल आने पर हुआ संदेह

रिचार्ज के बाद ऐप सामान्य रूप से चलता रहा। लेकिन उसी दिन शाम को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से दोबारा फोन आया। कॉल करने वाले ने खाते से रु. 95,000 और अन्य लेन-देन का जिक्र किया। संदेह होने पर जब पीड़ित ने अपना बैंक खाता जांचा, तो उनके होश उड़ गए–खाते से रु. 95,000 ट्रांसफर हो चुके थे।

घटना का खुलासा होते ही पीड़ित ने तुरंत बैंक हेल्पलाइन से संपर्क कर अपनी यूपीआई सेवा बंद कराई और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की पावती मिलने के बाद पीड़ित ने डोंगरगढ़ थाना पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। डोंगरगढ़ पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल ट्रांजेक्शन डिटेल्स के आधार पर आरोपी की पतासाजी में जुट गई है।

आज श्री महाकाल पालकी यात्रा, हेमू कालाणी चौक से निकलेगी भव्य सवारी

आतिशबाजी और पुष्पवर्षा के साथ होगा स्वागत, लालबाग क्षेत्र का भ्रमण करेंगे भगवान महाकाल

राजनांदगांव (दावा)। जयघोष के साथ लालबाग भ्रमण करेगी पालकीहेमू कालाणी चौक पर पूजा-अर्चना एवं स्वागत के पश्चात बाबा महाकाल की भव्य पालकी लालबाग क्षेत्र के भ्रमण हेतु प्रस्थान करेगी। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग 'हर-हर महादेव' और 'जय श्री महाकाल' के जयघोष से गुंजायमान रहेगा।

शिव सेवा मंडल ने नगर के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों एवं शिव भक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर भगवान महाकाल की पालकी यात्रा में शामिल हों, बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त करें और इस दिव्य आयोजन को सफल बनाएं।

संत रविदास जयंती पर ऐतिहासिक निर्णयों से छत्तीसगढ़ सर्व रविदास समाज में हर्ष, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. के.एल. टांडेकर ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

राजनांदगांव (दावा)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज हित में की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं पर छत्तीसगढ़ सर्व रविदास समाज ने गहरा हर्ष व्यक्त किया है। समाज की विगत 25 वर्षों से चली आ रही मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर निर्णय लेने के लिए प्रदेशाध्यक्ष डॉ. के.एल. टांडेकर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति संपूर्ण समाज की ओर से आभार

जताया है। छत्तीसगढ़ सर्व रविदास समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. के.एल. टांडेकर ने कहा कि संत रविदास जी के लाखों अनुयायियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने यह ऐतिहासिक पहल की है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई इन घोषणाओं से जन-मानस में सामाजिक समरसता, शिक्षा और सद्भाव की भावना को और अधिक मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इन निर्णयों से शासन द्वारा छत्तीसगढ़ सर्व रविदास समाज को जो सम्मान दिया गया है, उससे पूरे समाज में खुशी की लहर है। समाज अपेक्षा रखता है कि सरकार भविष्य में भी सर्व रविदास समाज के उत्तरोत्तर विकास और जनकल्याण के लिए इसी तरह सकारात्मक एवं निरंतर प्रयास करती रहेगी। डॉ. टांडेकर ने आह्वान किया कि समाज का प्रत्येक वर्ग संत शिरोमणि रविदास जी के विचारों और आदर्शों का अनुसरण करते हुए उनके बताए समरसता व समानता के मार्ग पर चलने का संकल्प ले। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के इस संवेदनशीलता भरे कदम से प्रदेश भर के अनुयायियों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com